तापमान
अधिकतम 43.8 डिग्री
न्यूनतम 29.2 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शनिवार 26 अप्रैल 2025

आतंकी गोलीबारी, जमीन पर लेटकर जान बचाने वाली पूजा का हुआ आंबेडकर अस्पताल में इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- कंधे में हुआ था फ्रैक्चर, परिवार के अन्य सदस्यों सहित रायपुर पहुंची

पहलगाम के बैसरन घाटी में आतंकियों द्वारा बरसाई जा रही गोली के दौरान जमीन पर लेटकर अपनी जान बचाने वाली पूजा अग्रवाल का आंबेडकर अस्पताल में इलाज हुआ। चिरमिरी में रहने वाली पूजा अपने परिवार सहित रायपुर पहुंची, तो कंधे में फ्रैक्चर की वजह से हो रहे दर्द के उपचार के लिए उसे अस्पताल लाया गया। चिरमिरी में रहने वाली पूजा ⏭शेष पेज 8 पर

बच्चों! इंतजार कीजिए, किताबें अभी छपी नहीं... एक ही कंप्यूटर से 11 आवेदन, पापुनि ने रद्द किया टेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

घोटाले संबंधित जांच के कारण पहले ही प्रभावित हो चुकी छपाई प्रक्रिया, अब नया पेंच

स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश की शुरुआत हो चुकी है। नवीन शैक्षणिक सत्र 16 जून से प्रारंभ होगा। इस दौरान जब बच्चे स्कूल आएंगे तो वे इस उम्मीद में होंगे कि उन्हें नई किताबें मिलेंगी। लेकिन यह संभव नहीं हो सकेगा। पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा अब तक छपाई के लिए किताबें प्रेषित नहीं की जा सकी हैं। किताब प्रकाशन से लेकर इसे शाला तक पहुंचाने की प्रक्रिया में

खास खबर

एससीईआरटी भेज चुका है सिलेबस

पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रतिवर्ष पहली से दसवीं कक्षा तक के लिए किताबों की छपाई की जाती है। शासकीय विद्यालयों के साथ ही निजी विद्यालयों के छात्रों को भी निशुल्क किताबें वितरित की जाती हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सिलेबस तैयार करके पापुनि को भेजा जा चुका है। पापुनि द्वारा पिछले सत्र में 9 टन किताबों की छपाई गई थी। अतिरिक्त किताबों छपवाने और उन्हें ⏭शेष पेज 8 पर

- किताबों के प्रकाशन से लेकर शाला वितरण तक तीन माह का लगता है समय

नहीं पढ़ा सकेंगे पुरानी किताबों से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रम में कई तरह के बदलाव किए गए हैं। प्राथमिक कक्षाओं में छात्रों की स्थानीय बोली में भी पढ़ाया जाना शामिल है। चूंकि कई तरह के बदलाव कोर्स में किए गए हैं, इसलिए पुरानी किताबों से अध्ययन करा पाना संभव नहीं है। निजी विद्यालयों द्वारा छात्रों को प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबों से भी अध्ययन कराया जाता है, इसलिए उनकी पढ़ाई अधिक प्रभावित नहीं होगी। किताबें वक्त पर नहीं पहुंचने के कारण शासकीय विद्यालय के छात्रों को अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

न्यूनतम 3 माह का समय लगता है। मई माह में किताब प्रकाशन प्रारंभ होने की स्थिति में भी विद्यार्थियों को पुस्तकें जुलाई अंत अथवा अगस्त में ही मिल सकेंगी।

किताब छपाई में हुए घोटाले की जांच के कारण इस बार प्रकाशन प्रकाशन प्रक्रिया में विलंब हुआ है। इसके बाद नया पेंच आवेदन प्रक्रिया को लेकर फंस गया है। अंदरुनी सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पापुनि द्वारा 4 मार्च को जारी किए गए टेंडर में जिन्होंने फॉर्म भरा था, उनमें से सभी ने एक ही कंप्यूटर से आवेदन किए थे। नियमतः दो टेंडर का ⏭शेष पेज 8 पर

खबर संक्षेप

दीपक को फ्लाइंग स्क्वाड के साथ रेंजर का प्रभार

रायपुर। वनमंडल रायपुर में रायपुर परिक्षेत्र में एक माह पूर्व फ्लाइंग स्कवायड प्रभारी बनाए गए दीपक तिवारी को रेंज

परिक्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। दीपक को उनकी सक्रियता के चलते रेंजर की जिम्मेदारी दी गई है। फ्लाइंग स्कवाड प्रभारी बनाए जाने के बाद दीपक तिवारी ने अलग-अलग जगह कार्रवाई करते हुए नियम के विपरीत संचालित आरा मिल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महीने के भीतर लकड़ी तस्करों के खिलाफ तीन से चार कार्रवाईयां की हैं।

तलाकशुदा पत्नी पर दफ्तर में घुसकर किया हमला

रायपुर। मंदिर हसौद थाने में एक महिला ने अपने पूर्व पति के खिलाफ कार्यालय में घुसकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मंदिर हसौद नगरपालिका में बतौर कंप्यूटर

ऑपरेटर कार्यरत तृप्ति मिश्रा ने दिनेश मिश्रा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। तृप्ति ने पुलिस को बताया कि गुरुवार दोपहर वह अपने ऑफिस में काम कर रही थी। इस दौरान दिनेश ने जबरन ऑफिस के अंदर प्रवेश किया और लोहे के सूजे से तृप्ति की छाती तथा पीठ पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया तथा मौके से फरार हो गया।

नौकरी लगाने का झांसा दस लाख की ठगी

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में धमतरी की एक महिला ने दो लोगों के खिलाफ हॉस्टल में अधीक्षक की नौकरी लगवाने के नाम पर दस लाख रुपए ठगी

करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कौशल्या चंदेल ने शंकरलाल साहू तथा रामाधार बंजारे के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। कौशल्या ने पुलिस को बताया कि शंकर तथा रामाधार ने उसे हॉस्टल में अधीक्षक की नौकरी लगवाने के नाम पर वर्ष 2017 से 2018 के बीच पैसे लेकर ठगी की है।

भारतमाला परियोजना घोटाला में एनएचएआई के अफसरों के भी शामिल होने की आशंका

अधिसूचना से पहले भारतमाला का नक्शा लीक, इसलिए टुकड़ों में बंटी जमीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में भारतमाला परियोजना घोटाला की जांच चल रही है। यह जांच ईओडब्ल्यू-एसीबी द्वारा की जा रही है। इस घोटाला में छत्तीसगढ़ सरकार पहले ही जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन एसडीएम अभनपुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबन की कार्रवाई कर चुकी है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर घोटाला की शुरुआत कहां से हुई है। हरिभूमि इस घोटाला की पड़ताल करते हुए लगातार समाचार प्रकाशित करता आ रहा है। इस पड़ताल के दौरान सूत्र से यह भी जानकारी मिली है कि इस घोटाले का जिन्न भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के कार्यालय ⏭शेष पेज 8 पर

खास खबर

विधानसभा में उठ चुकी सीबीआई जांच की मांग

छत्तीसगढ़ विधानसभा में भी इस घोटाला का मुद्दा उठ चुका है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत इस मुद्दे को उठाते हुए इस मामले में राज्य सरकार से सीबीआई जांच कराने की मांग कर चुके हैं। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को भी पत्र लिखा है, जिसमें सीबीआई ⏭शेष पेज 8 पर

भारतमाला में करोड़ों की हेराफेरी, दुर्ग, रायपुर समेत कई शहरों के 20 ठिकानों पर छापे

नक्शा लीक हुआ या नहीं, हुआ तो कैसे यह भी जांच का विषय

एनएचएआई कार्यालय से भारतमाला प्रोजेक्ट का नक्शा लीक हुआ है या नहीं, यह भी जांच का विषय है। अगर नक्शा लीक किया गया है, तो निश्चित इसमें अफसर या फिर कार्यालय के वे लोग शामिल हो सकते हैं, जिन्हें इस प्रोजेक्ट का नक्शा तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। ऐसे में यह भी बड़ा सवाल है कि एनएचएआई कार्यालय से अगर नक्शा लीक हुआ है, तो इस मामले की जांच कैसे और कौन करेगा।

घोटाला में एनएचएआई अफसरों के भी शामिल होने की आशंका

छत्तीसगढ़ में यह घोटाला 220 करोड़ से ज्यादा का है। रायपुर जिले के अभनपुर क्षेत्र में ही रायपुर-विशाखापट्नम इकोनोमिक कॉरिडोर सड़क निर्माण में 43 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। इसका खुलासा जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट में हो चुका है, लेकिन इस घोटाले की राशि कितनी और किस-किस को बंटी है, इसका खुलासा अब तक नहीं हो पाया है, जबकि अतिरिक्त मुआवजा राशि का बंटवारा जमीन को टुकड़ों में बांटने से पहले ही तय कर लिया गया था। यह राशि तहसील अफसरों-कर्मचारियों से लेकर किसानों एवं रसूखदारों को भी बांटी गई है। सूत्र की मानें, तो बंटवारा का एक बड़ा हिस्सा इस घोटाला में शामिल एनएचएआई के उन अफसरों तक भी पहुंचा है, जिनके द्वारा प्रोजेक्ट का नक्शा लीक किया गया है, क्योंकि अगर नक्शा लीक नहीं होता, तो एक खसरा नंबर की भूमि के कई टुकड़ों में विभाजन कर उसकी रजिस्ट्री प्रोजेक्ट के अधिसूचना प्रकाशन की तारीख से पहले नहीं हो पाती।

12वीं के नतीजों के इंतजार में विद्यार्थी, रविवि को बढ़ानी पड़ी अर्जी की अवधि

- रविवि ने प्रवेश परीक्षाओं के लिए 25 अप्रैल तक मांगे थे आवेदन
- अब सीबीएस के लिए 10 मई तक फॉर्म भर सकेंगे विद्यार्थी, इस बार एंट्रेस एग्जाम फ्री नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि को प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन तिथि में वृद्धि करनी पड़ी है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई अथवा आईसीएसई, किसी भी बोर्ड द्वारा अब तक बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों की घोषणा नहीं की गई है। नतीजों का इंतजार कर रहे विद्यार्थी प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन करने में खास दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। यही कारण है कि रविवि ने तारीखें बढ़ा दी हैं। पूर्व में विश्वविद्यालय द्वारा 25 अप्रैल तक आवेदन मांगे गए थे। जारी की गई नवीन अधिसूचना के मुताबिक, ⏭शेष पेज 8 पर

भाषा विज्ञान में आवेदनों की कमी

भाषा विज्ञान के अंतर्गत संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों की स्थिति इस बार भी विशेष अच्छी नहीं है। जर्मन, फ्रेंच, इंग्लिश भाषा में डिप्लोमा कोर्स के लिए सबसे कम आवेदन मिले हैं। एमए हिंदी लिंग्विस्टक, प्राचीन भारतीय इतिहास जैसे कुछ पाठ्यक्रम इस बार भी छात्रों की कमी ⏭शेष पेज 8 पर

पूर्वोत्तर के बाद उत्तराखंड में महादेव सट्टा एप को लेकर पुलिस की दबिश, सात दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पूर्व में गिरफ्तार 14 सटोरियों की निशानदेही पर गिरफ्तारी
- गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी किराए पर हायर किए गए थे

महादेव सट्टा एप मामले में पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम ने पूर्वोत्तर राज्य पश्चिम बंगाल, असम के बाद उत्तराखंड में छापे की कार्रवाई करते हुए सात सटोरियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सटोरिए किराए पर हायर किए गए थे। उन्हें उनके काम के हिसाब से हर महीने 30 से लेकर 45 हजार रुपए भुगतान करने के साथ उनके रुकने, खाने-पीने का इंतजाम किया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों पर आरोप है कि उनके द्वारा बैंक अकाउंट के साथ सिम कार्ड की व्यवस्था की जाती थी।

मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा संचालित करने के आरोप में रायपुर निवासी दिव्य चंद्रवंशी, समीर सिंह ठाकुर, तोषण देवांगन, राहुल साहू, भिलाई निवासी नितेश साहू, आनंद कुमार दास तथा उत्तरप्रदेश, शाजहांपुर निवासी देवेश कुमार पाल कोल गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस ने देहरादून से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सटोरियों में समीर ठाकुर सट्टा संचालित करने वालों का सरगना था। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 67 मोबाइल, तीन दर्जन अलग-अलग बैंक अकाउंट के साथ एटीएम कार्ड, चेक बुक जब्त किया है।

म्यूल अकाउंट खुलवाने वाले गिरफ्तार

तेलीबांधा थाने की पुलिस ने सट्टे की रकम ट्रांजेक्शन करने म्यूल अकांउट खुलवाने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। म्यूल अकाउंट खुलवाने के आरोप में फैय्याज अहमद, सुमित खटवानी, संजय जोतवानी, अविनाश वाधवानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्त में आए लोगों ने डेढ़ सौ से ज्यादा म्यूल अकाउंट खुलवाकर सटोरियों को किराए पर दिया था। इनके द्वारा खुलवाए गए म्यूल अकाउंट छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, ओडिशा तथा दिल्ली में ऑपरेट होना पाया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चार लाख रुपए से ज्यादा की रकम जब्त की है।

30 प्रतिशत कमीशन पर काम कर रहा था

उत्तराखंड के साथ पश्चिम बंगाल, असम में सुचारू रूप से सट्टा संचालित करने की जिम्मेदारी रायपुर आजाद चौक निवासी शोभी उर्फ सैफ अली और उसके भाई फैज अली को दी गई थी। इसके लिए उन्हें 30 प्रतिशत कमीशन मिलता था। दोनों भाई के साथ सट्टा संचालित करने का एक अन्य आरोपी अभिषेक उर्फ बाबू फरार है।

स्कूली छात्र से मारपीट, तीन के खिलाफ रिपोर्ट

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में एक स्कूली छात्र ने तीन लड़कों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। 10वीं के छात्र शांति चौक निवासी ने चंदन माली एवं उसके दो अन्य साथी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। छात्र ने पुलिस को बताया कि वह सुलभ से फ्रेश होकर घर लौट रहा था। इस दौरान चंदन तथा उसके साथी छात्र के पास पहुंचे और उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

गर्मी के मामले में राजधानी अव्वल रात में भी गर्म हवा से राहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सुबह 11 बजते ही गर्मी का तेज असर

गर्मी के मामले में राजधानी रायपुर ने अन्य शहरों को पीछे छोड़ दिया है। यहां दिन के साथ रात की गर्म हवा राहत नहीं लेने दे रही है। सुबह 11 बजते ही शुरू होने वाली गर्मी दोपहर होते तक अपनी चरम स्थिति पर आ रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी मई के महीने में अपना और विकराल रूप दिखाएगी।

इस साल गर्मी का असर कुछ ज्यादा ही महसूस हो रहा है। खासकर मध्य इलाका इसकी चपेट में हैं और यहां ⏭शेष पेज 8 पर

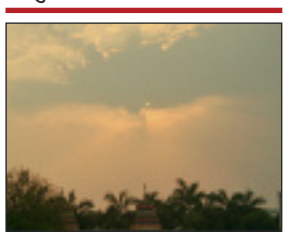

पिछले दिनों की गर्मी

शुक्रवार	43.8	सोमवार	43.7
गुरुवार	43.7	रविवार	42.9
बुधवार	43.2	शनिवार	41.2
मंगलवार	44.4		

खबर संक्षेप

ग्राम टेकारी में मानसगान महोत्सव का हुआ शुभारंभ

रायपुर। ग्राम टेकारी, जुलम में नव ज्योति मानस परिवार कन्हेरा द्वारा त्रिदिवसीय मानसगान महोत्सव 25 से 27 अप्रैल तक किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ शुक्रवार को दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि भानुप्रताप साहू सरपंच ग्राम पंचायत कन्हेरा थे। वहीं 26 अप्रैल के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अन्नु तारक जिला पंचायत सदस्य रायपुर होंगे।

डीघारी में पाइप डालने के बाद नहीं हटाए गए बोल्डर आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

आरंग। ग्राम पंचायत डिघारी (भानसोज) के इंदिरा पारा में नल-जल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के लिए किए गए गड्ढों को बीते 8 माह से गड्ढे खोदकर भगवान भरोसे छोड़ दिये है। गड्ढे को पाटकर न तो समतल किया गया है और न ही स्थान पर छोड़े गए बड़े-बड़े बोल्डर पत्थरों को हटाया गया है। इसके कारण मोहल्ले में लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने संबंधित विभाग और पंचायत से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि उन्हें हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र सरकार जिम्मेदारी लें : राजेंद्र

सिलयारी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पीसीसी डेलीगेट एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र सरकार के द्वारा सुरक्षा में चुक का मामला बताते हुए कहा कि पहलगाम में 2000 पर्यटक उपस्थित थे वहां एक भी सुरक्षा कर्मी के जवान उपस्थित नहीं थे। इस आतंकी हमले के लिए सीधे तौर पर केंद्र की मोदी सरकार जिम्मेदार है और केंद्र की मोदी सरकार सीधे तौर पर सुरक्षा के चूक के लिए नैतिक जिम्मेदारी ले और इस आतंकी हमले के लिए दोषियों पर सख्त- से सख्त कार्रवाई करें। केंद्र सरकार को जम्मू कश्मीर में प्राथमिकता के सर्वोच्च स्तर पर सबसे पहले सुरक्षा के वातावरण को सुनिश्चित करने की जरूरत है तभी स्थानीय निवासियों और पर्यटकों का जीवन सुरक्षित रह सकता है सुरक्षा से ही भरोसा जागता है और एकता अखंडता का भाव भी। पूर्व जनपद अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे ने आगे कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला अत्यंत कायराना है। इस दुखद घटना में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं हैं।

कुकरा के मानिकदास मानिकपुरी बने अभनपुर परिक्षेत्र के अध्यक्ष

आरंग। मानिकपुरी पनिका (कोसरिया) समाज अभनपुर परिक्षेत्र की वार्षिक बैठक बंजारी धाम नवा रायपुर में सम्पन्न। बैठक में समाज की सफल संचालन हेतु नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। इसी कड़ी में लखोली पार बैठक के अंतर्गत ग्राम कुकरा के मानिकदास को सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद हेतु मनोनीत किए गए।मनोनीत अन्य पदाधिकारियो में उपाध्यक्ष पद हेतु देवेंद्रदास सचिव त्रिभुवन दास (मोखेतरा) कोषाध्यक्ष त्रिभुवन दास (घोरभट्टी) व सामाजिक सन्देश के रूप में चम्मनदास मानिकपुरी (भलेरा) का मनोनयन किया गया। उक्त बैठक में 12 बैठक पार क्रमशः बेन्द्री अभनपुर, पिपरौद, पटेवा, कोलियरी, पोड़, भोथीडीह, खपरी, बनचरौदा, बंजारी, नवागांव व लखोली बैठक पार के 60 गाव के समाज जनों बैठक पार प्रमुखों व पूर्व पदाधिकारियों की उपस्थिति में अध्यक्ष सहित विभिन्न पदाधीकारियो का मनोनयन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। मानिकदास मानिकपुरी के अध्यक्ष मनोनयन पर सम्पूर्ण मानिकपुरी समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। समाज के हेमन्त दास, खुमान दास, किसुन दास, अशोक, तारण, सरजु, फुलदास, ढेलु, अंजोरी, घनश्याम, परमेश्वर, धर्मेंद्र, बुद्धिमानदास, पूर्णिमा, अनुसुइया, सन्तोषी, सुलोचना, अमरीका सहित वरिष्ठजनों, युवा वर्ग, महिलाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी।

समस्या : सिलतरा औद्योगिक विकास की काली छाया, सूखते तालाब और खोखले सीएसआर के दावे

भीषण गर्मी से औद्योगिक क्षेत्र के तालाब सूखने लगे, बचे पानी में बजबजा रहा काला डस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

सिलतरा औद्योगिक नगर में विकास की गति भले ही तेज हो, लेकिन इसकी काली छाया अब यहां के दर्जन भर गांवों के तालाबों पर मंडराने लगी है। भीषण गर्मी के बीच, जब पानी की हर बूंद जीवनदायिनी होती है, इन गांवों के तालाबों की स्थिति दयनीय हो गई है। तालाबों में काली धूल (डस्ट) की मोटी परत जमने से पानी पूरी तरह से जहरीला व हरी हो चुका है, जो इंसान और जानवर दोनों के लिए घातक साबित हो रहा है। विडंबना यह है कि निस्तारी व दैनिक उपयोग के लिए पानी की आवश्यकता के लिए आज भी इंसान और जानवर एक साथ इसी दूषित पानी का उपयोग करने को मजबूर हैं।

औद्योगिक क्षेत्रों में अक्सर कंपनियों द्वारा सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) के तहत बड़े-बड़े काम करने के दावे किए जाते हैं। वृक्षारोपण से लेकर सामुदायिक विकास तक की योजनाओं की चर्चाएं खूब होती हैं। मगर सिलतरा और प्रभावित दर्जन भर के गांवों में इन दावों की हकीकत खोखली नजर आती है। यदि सचमुच उद्योगों द्वारा सीएसआर के तहत प्रभावी कार्य किया गया होता, तो आज इन तालाबों की यह दुर्दशा न होती। क्या सीएसआर की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों तक ही सीमित है? क्या पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के स्वास्थ्य की अनदेखी करके ही औद्योगिक विकास संभव है?

औद्योगिक डस्ट की मार झेल रहा ग्रामीण

इन तालाबों में काली डस्ट का जमा होना स्पष्ट रूप से औद्योगिक प्रदूषण का नतीजा है। यह न केवल पानी को दूषित कर रहा है, बल्कि जलीय जीवन को भी खतरे में डाल रहा है। गांवों के लोग, जिनके जीवन का आधार कभी ये तालाब हुआ करते थे, आज बेबसी की स्थिति में हैं। उन्हें पीने, नहाने और अपने पशुओं के लिए भी स्वच्छ पानी नसीब नहीं हो रहा है। यह स्थिति न केवल मानवीय गरिमा का उल्लंघन है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी गंभीर लापरवाही का प्रमाण है। यह सोचने वाली बात है कि विकास के नाम पर हम किस दिशा में जा रहे हैं? क्या कुछ उद्योगों के मुनाफे के लिए हम पूरे के पूरे गांवों के जीवन को खतरे में डाल देंगे? क्या हमारी प्राथमिकताएं इतनी संकुचित हो गई हैं कि हमें अपने आसपास के पर्यावरण और लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की भी परवाह नहीं रही?

इन गांवों की स्थित बेहद खराब

औद्योगिक क्षेत्र के साकरा सहित दर्जन भर गांवों में जल संकट गहराता जा रहा है। पांच हजार की आबादी वाले ग्राम पंचायत साकरा उद्योग नगर से पूरी तरह घिरा हुआ है जंहा लगभग 05 तालाब है जिसमे एक तालाब पूर्ण रूप से सुख गया है और 04 तालाब में पानी अपनी अस्तित्व बचाने की कोशिश में है। वही ग्राम पंचायत सोन्द्रा में भी 05 तालाब है और गांव की आबादी लगभग 03 हजार के आसपास है वही इस क्षेत्र के तालाब सूखने की कगार पर हैं, और जो थोड़ा पानी बचा है, वह फैक्ट्री की धूल (डस्ट) से बुरी तरह सराबोर है। विडंबना यह है कि इन विषम परिस्थितियों के बावजूद, स्थानीय लोग नहाने और दैनिक जरूरतों के लिए इसी दूषित पानी का उपयोग करने के लिए मजबूर हैं।यह स्थिति न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है, बल्कि क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। तालाब, जो कभी जल के महत्वपूर्ण स्रोत हुआ करते थे, आज प्रदूषण और सूखे की मार झेल रहे हैं।

चलती कार पर लगी आग, बड़ा हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

अभनपुर के पास शाम 5 बजे के करीब एक चलती कार में अचानक आग लग जाने से कार पूरी तरह समाप्त हो गई लेकिन उसमे बैठे व्यक्ति सभी सुरक्षित बच गए। फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया। मिली जानकारी अनुसार एसयूवी कार से छुरा से रायपुर जा रहे थे इसी दौरान अभनपुर ओवरब्रिज के नीचे बायपास रोड पर अचानक कार मे आग लग गई उसमे 4 लोग सवार थे। उन्होने बताया कि अचानक गियर टूट गया तथा एकाएक आग पकड़ ली तत्काल गेट खोलकर बाहर निकले तथा सभी लोग सुरक्षित बच गये है कार मे सवार व्यक्तियो द्वारा बताया गया कि लैपटाप,मोबाईल अन्य सामान रखा हुआ था वह जलकर राख हो गया है,आधा घंटे तक कार की लपटे देखने हाईवे पर बड़ी संख्या मे लोग जमे रहे, फायर ब्रिगेड जलती हुई कार को पानी की बौछार से बुझाया गया।

रक्तदान शिविर में 93 यूनिट ब्लड एकत्रित

तिल्दा नेवरा। संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की पावन छत्रछाया में निरंकारी बाबा गुरुबचन सिंह की स्मृति में मानव एकता दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन शहर के संत निरंकारी सत्संग भवन में किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, सिंधी समाज के अध्यक्ष शमन लाल खूबचंदानी हीरानंद हरिरामनी, राम पंजवानी, हीरानंद भोजवानी , प्रकाश मेघानी, रमेश सेतपाल आदि ने फीता काटकर किया और कहा की निरंकारी मिशन आध्यात्मिकता और मानवता का मिशन है। मिशन का ध्येय हमेशा इंसानियत की सेवा ही रहा है और नर सेवा को नारायण पूजा के समान माना गया है। शुभारंभ के दौरान के सभी अतिथियों का माला एवं शॉल पहनाकर स्वागत किया गया. रक्त दान करने वाले सभी रक्तदाताओं का भी सम्मान किया गया कार्यक्रम में सुन्दर दास जेसवानी मुखी संत निरंकारी तिल्दा नेवरा के साथ साथ निरंकारी श्रद्धालु भारी संख्या में उपस्थित रहे । जिसने 93 यूनिट रक्तदान किया गया।

नामांतरण प्रक्रिया में सुधार का सहकारी समिति अध्यक्ष ने किया स्वागत

आरंग। सरकार द्वारा हाल ही में लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय, जिसमें तहसीलदारों से नामांतरण (नामजदगी) का अधिकार समाप्त कर इसे अब संपत्ति की रजिस्ट्री के साथ स्वतः करने का प्रावधान किया गया है। इस सम्बंध में सहकारी समिति नारा के प्राधिकृत अध्यक्ष तिलोचन साहू ने सरकार के आदेश का हृदय से स्वागत किया है। तिलोचन साहू ने कहा कि सरकार का यह कदम न केवल ग्रामीण जनता को बड़ी राहत देगा, बल्कि भ्रष्टाचार, देरी और बेवजह के चक्कर से मुक्ति दिलाएगा। अब तक नामांतरण के लिए लोगों को तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी। कई बार तो महीनों तक नामांतरण लंबित रहते थे, जिससे किसानों और जमीन मालिकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था। श्री साहू ने आगे कहा कि अब रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः हो जाने से पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी। यह तकनीकी युग में प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा और साहसिक निर्णय है। इससे भूमि रिकार्डों की सटीकता भी सुनिश्चित होगी। सरकार का यह फैसला आमजन को सशक्त बनाने वाला है।उन्होंने राज्य सरकार, मुख्यमंत्री महोदय और राजस्व विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया और आग्रह किया कि इस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान भी चलाए जाने की मांग की ताकि व्यक्ति इस नई व्यवस्था का लाभ उठा सके।

अवैध हॉस्पिटल निर्माण पर उठे सवाल कालोनीवासियों ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

नपा वार्ड क्रमांक 17 लक्ष्मी विहार कालोनी में निर्माणाधीन अस्पताल की पूर्णतः अवैधता के प्रति मोहल्लावासियों की निरंतर शिकायतों के बावजूद स्थानीय प्रशासन की चुप्पी गंभीर चिंताजनक है। लिखित शिकायत के बावजूद नगर पालिका प्रशासन द्वारा कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय निवासियों ने एसडीएम एवं पालिकाधिकारी को भी वास्तविक स्थिति से अवगत करा दिया है, तथापि अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई न होना इस वार्ड के सभी निवासियों के लिए एक गंभीर समस्या बन गया है। यह ध्यान देने योग्य है कि जिस स्थल पर चार मंजिला अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है, वहां के निर्माणकर्ता डॉक्टर ने आवासीय निर्माण की अनुमति प्राप्त की थी, जबकि अस्पताल का संचालन व्यवसायिक जन-सुविधा के दायरे में आता है। अस्पताल के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवाजाही, निस्तारी और भविष्य में संभावित संक्रमण का खतरा सता रहा है। मोहल्लावासियों ने नगर पालिका प्रशासन से तात्कालिक एवं स्पष्ट कार्रवाई की मांग की है। सीएमओ के समक्ष बार-बार शिकायत करने के बावजूद टाल-मटोल की नीति अपनाई जा रही है, और राजस्व निरीक्षक नपा द्वारा डॉक्टर से वैमनस्य न उत्पन्न करने

की सलाह दी जा रही है। उक्त अवैध निर्माण की शिकायत पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा निर्माणकर्ता को तत्क्षण नोटिस जारी करने की बात कही गई एवं अवैध निर्माण के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही करने का आश्वासन प्रदान किया गया। उक्त अवैध निर्माण पर रविकांत साहू, उमेश चंद्राकर, दया राम चंद्राकर, सुरेंद्र चन्द्रसेन, नगीना, आदित्य शुक्ला, शंकर अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विनय अग्रवाल, सुरेश कश्यप, आशा साहू ने कार्यवाही की मांग की है।

अवैध बोर खनन पर प्रशासन सख्त, एसडीएम के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

तिल्दा नेवरा। अभी वर्तमान समय में गर्मी के सीजन में कलेक्टर रायपुर द्वारा आदेश जारी कर बोर खनन पर रोक लगाई गई है। अगर किसी को बोर खनन करवाना हो तो उसे कलेक्टर रायपुर से परमिशन लाकर तिल्दा नेवरा राजस्व अधिकारी एसडीएम को दिखाना होगा, और फिर विधिवत तरीके से ही बोर खनन किया जा सकता है। तिल्दा नेवरा में अवैध रूप से बोर खनन की शिकायत पर एसडीएम आशुतोष देवांगन के निर्देश पर नायब तहसीलदार विपिन पटेल एवं नेवरा पुलिस द्वारा छापा मारकर एक बोर गाड़ी को पकड़कर कार्रवाई की गई।

फरफौद स्कूल में चित्रकला एवं निबंध स्पर्धाएं हुईं

आरंग। पृथ्वी दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरफौद में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन शाला परिवार द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य रूप से शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नंदकुमार लोधी, प्रभारी प्राचार्य अंजला बखला,

सरपंच प्रतिनिधि पंकज चंद्राकर, उपसरपंच राकेश चंद्राकर, सहकारी समिति के अध्यक्ष नीरज चंदूलाल चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि नेतराम चंद्राकर, सदस्य राधेश्याम बंजारे, विधायक प्रतिनिधि पंचकौड वर्मा, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं प्रतिभागी छात्र उपस्थित रहे।

गुखेरा व भोथली में आयोजित हुआ अंगना में शिक्षा कार्यक्रम

आरंग। शुक्रवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा के निर्देशानुसार संकुल खमतराई सहित, गुखेरा, भोथली, कलई प्राथमिक शालाओं में अंगना में शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू किया गया, यह ऐसा कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य बच्चों को घर पर ही स्कूल जाने से पहले तैयार करना है। यह कार्यक्रम माता को प्रशिक्षित करके उन्हें अपने बच्चों को घर पर पढ़ने में मददगार है। इस कार्यक्रम को राज्य में अच्छी सफलता भी मिली है और इसे स्कॉच अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। सीएसी हरीश दीवान व प्रधान पाठक अरविंद वैष्णव ने कहा कि माताएं जब बच्चों को खेल-खेल में एवं दैनिक जीवन की वस्तुओं से बच्चों को शिक्षा का महत्व प्रदान करती है तो वही बच्चे स्कूल में आकर सहजता के साथ बुनियादी शिक्षा और कौशल प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर प्रभारीगण नीता कन्नौजे, कृष्णा चंद्राकर, भूषण जलक्षत्रि, रामनारायण कन्नौजे एवं प्रधान पाठकगण लक्षण लहरी, दिगंबर बरिहा, नोहर लाल यादव, विष्णु ध्रुव, कोमल राठौर आदि की सहभागिता रही एवं माताओं सहित नव प्रवेशी बच्चों की भी उपस्थिति रही।

आशा कलस्टर संगठन चंदखुरी कर रहा महिलाओं को बीमा योजनाओं से सशक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन /"बिहान/" के तहत आशा कलस्टर संगठन चंदखुरी से जुड़ी महिला स्व. सहायता समूहों की सदस्यों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधनमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। संगठन द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत सभी सदस्यों एंव उनके पति का बीमा भी कराया जा रहा है ताकि वे इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके साथ ही वित्तीय धोखाधडी से बचाव के लिये महिलाओं को वित्तीय साक्षरता की जानकारी भी कलस्टर संगठन एवं ग्राम संगठन की बैठकों के माध्यम से दी जा रही है। बीमा योजना के तहत ग्राम पंचायत मुनगी माता कौशिल्या स्व. सहायता समूह की सदस्य प्रमिला वर्मा ने अपना एंव अपने पति यशवंत वर्मा का एफ.एल.सी. आर.पी सुषमा नौरंगा के द्वारा प्रधानमंत्री जीवनज्योति बीमा एंव प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दिनांक 18.07.2024 को करवाया था, प्रमिला वर्मा के पति यशवंत वर्मा का बीमारी के कारण दिनांक 21.01.2025 को निधन हो जाने पर उनके नामिनी एवं पत्नी प्रमिला दीदी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत पंजाब नेशनल बैंक चंदखुरी से राशि दो लाख रू. क्लेम राशि दिनांक 20.02.2025 को प्राप्त हुआ है। आशा कलस्टर संगठन चंद्रखुरी का यह प्रयास महिला समूहों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रहा है तथा भविष्य की अनिश्चितताओं से लड़ने हेतु उन्हे सशक्त बना रहा है। रामरतन टेंगवार बी.पी.एम जनपद पंचायत आरंग के द्वारा जानकारी दी गई।

शोक-संदेश

स्व.श्रीमती नर्मदा साहू

आप प्रभु द्वारा बताए गए कर्तव्य पथ पर आसक्ति भाव से भलीभांति आचरण कर, कर्म करते हुए परमात्मा को प्राप्त हुए

अत्यंत दु:ख के साथ आपको सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूज्यनीय माताजी श्रीमती नर्मदा साहू (धर्मपत्नी स्व. श्री चैतराम साहू पूर्व विधायक) का स्वर्गवास दिनांक 18 अप्रैल 2025 दिन - शुक्रवार को हो गया है। अत: इस शोक की घड़ी में सहपरिवार पधारकर ब्रम्हलीन आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर हमें अनुग्रहित करें।

कार्यक्रम
श्रद्धांजलि एवं शांतिभोज : 26/04/2025, दिन - शनिवार

कार्यक्रम स्थल : निज निवास ब्लॉक कालोनी, आरंग

विनीत:
अवधराम साहू (पुत्र), आनंद साहू (पुत्र)
राजेश साहू (पुत्र) (पूर्व पार्षद), कौशल साहू (पुत्र)
अभ्युदय, अभिनव (पौत्र)

-: श्रद्धानवत :-
समस्त साहू परिवार आरंग

मो.: 8435550005, 9977170005

नोट : जिस किसी सज्जन को शोक-पत्र न मिला हो कृपया इसे स्वीकार करें।

खबर संक्षेप

मॉडल ब्लड बैंक और संत निरंकारी चेरिटेबल के सहयोग से रक्तदान

रायपुर। आंबेडकर अस्पताल स्थित मॉडल ब्लड बैंक सेंटर एवं संत निरंकारी मंडल चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रायपुर और तिल्दा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्रमशः 194 और 93 यूनिट रक्तदान किया। संत निरंकारी मंडल चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संत गुरुबचन सिंह के शहीदी दिवस पर हर साल यह कार्यक्रम आयोजित होता है। पिछले 25 वर्षों से निरंकारी मंडल मॉडल ब्लड बैंक सेंटर के साथ मिलकर हर साल रक्तदान शिविर आयोजित करती आ रही है। निरंकारी मंडल की तरफ से रायपुर कैंप का कार्यभार गुरबक्श कालरा ने, तिल्दा कैंप का कार्यभार सुंदरदास ने एवं मॉडल ब्लड बैंक सेंटर की तरफ से क्रमशः डॉ. रवीना यादव, डॉ. सूदित पाल और डॉ. अविरल मिश्रा ने संभाला। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर के सहयोग तथा विभाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल एवं मॉडल ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अमित भारद्वाज के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम पूरा हुआ।

जिला दवा विक्रेता संघ चुनाव अधिसूचना जारी

रायपुर। डिस्ट्रिक केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सत्र 2025-28 के लिए निर्वाचन प्रक्रिया पूरी करने अधिसूचना जा कर दी गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी ठाकुर राजेश्वर सिंह ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया 4 मई से शुरू होकर 11 मई तक पूरी होगी। इसके तहत 4 मई को मतदाता सूची का प्रकाशन और दावा आपत्ति के बाद अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 5 मई को नामाकंन पत्र का वितरण और स्वीकार करने के साथ उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन होगा। 7 मई को नामाकंन पत्रों पर दावा-आपत्ति के साथ वापसी की प्रक्रिया पूरी होगी। 11 मई को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक मतदान होगा और शाम 4 बजे से मतगणना शुरू कर परिणाम घोषित किया जाएगा। निर्वाचन से संबंधित सारी प्रक्रिया मेडिकल कांप्लेक्स के केमिस्ट भवन में पूरी होगी और मतदान मेडिकल कांप्लेक्स के हाल में किया जाएगा।

उपअभियंता को आयुक्त ने किया निलंबित

रायपुर। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी कर प्रधानमंत्री आवास मुख्यालय की उपअभियंता अंकिता अग्रवाल को अपने विधिक दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रहने के कारण एवं घोर लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं प्रभारी अधीक्षण अभियंता तत्कालीन सहायक अभियंता प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा नगर निगम राजेश राठौर और सहायक अभियंता प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा योगेश यदु के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

ग्रेसफुल मीडिया इंडिया प्रा.लि. ब्लैक लिस्टेड

रायपुर। नगर निगम के भवन अनुज्ञा विभाग ने ग्रेसफुल मीडिया इंडिया प्रा.लि. के डायरेक्टर विश्वरंजन पुरोहित न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर को ब्लैक लिस्टेड घोषित किया है। बताया गया कि बी.ओ.टी. प्रणाली के तहत नगर क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों जैसे साक्षरता चौक, अनुपम गार्डन एवं तेलीबांधा चैक पर नवीन यूनिपोल संरचनाओं की स्थापना एवं उनके माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन के लिए संस्था को 15 मार्च 2024 तक अनुबंध किया गया था। इस अनुबंध की तारीख 44 लाख 38 हजार 317 की राशि विज्ञापन शुल्क के रूप में निगम में जमा कराना था। इसके लिए संस्था को कई बार सूचित भी किया गया। इसके अलावा विभिन्न निविदा अंतर्गत अनुबंध निरस्तीकरण एवं मीडिया राजसात होने के उपरांत बकाया राशि 7 करोड़ 27 लाख 82 हजार 626 रुपए जमा कराने पर्याप्त समय दिया गया है, लेकिन अद्यतन बकाया राशि जमा नहीं कराई गई।

अब सरकारी फाइलें दौड़ेंगी डिजिटल माध्यम से, पत्र भी भेजे जाएंगे ईमेल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी विभागों से अब लालफीता शाही का दौर पूरी तरह समाप्त होने की स्थिति में आ जाएगा। वजह ये है कि सरकार ने फैसला किया है कि मंत्रालय के सभी विभाग, विभागाध्यक्ष, सभांगीय या जिला कार्यालय या कोई भी सरकारी संस्था से पत्राचार केवल ई ऑफिस फाइल रिसीप्ट के माध्यम से किया जाएगा। अगर यह सिस्टम ऑनबोर्ड नहीं होगा, तो पत्राचार शासकीय ईमेल के माध्यम से किया जाएगा।

अलग खबर

मुख्य सचिव ने सभी विभागों के लिए जारी किया आदेश

मुख्य सचिव ने आदेश जारी किया

इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने शासन के सभी विभागों, राजस्व मंडल बिलासपुर, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागीय आयुक्त, सभी कलेक्टर छत्तीसगढ़ के लिए आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि यह व्यवस्था कार्य संपादन में गति लाने, उन्नत कार्यकुशलता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए की जा रही है।

सरकार ने लिया है ये निर्णय

मंत्रालय के सभी विभागों में अंतरविभागीय पत्राचार और नोटशीट केवल ई-ऑफिस फाइल या रिसीप्ट के माध्यम से भेजी जाएगी। मंत्रालय के अन्यत्र विभागाध्यक्ष, संभागीय, जिला कार्यालय या शासकीय संस्था के द्वारा मंत्रालय के किसी भी विभाग को पत्राचार केवल ई ऑफिस फाइल-रिसीप्ट से किया जाएगा। ई ऑफिस में ऑनबोर्डिंग नहीं होने की स्थिति में पत्राचार केवल शासकीय ई-मेल के माध्यम से किया जा सकेगा। अर्धशासकीय पत्र या ऐसे वैधानिक दस्तावेज जिसमें मूल प्रति की जरूरत हो, हार्ड कॉपी के रूप में भेजे जा सकते हैं। मुख्य सचिव ने इसी आदेश में कहा है कि इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करें।

प्रशासनिक काम होंगे तेज, भ्रष्टाचार रुकेगा

उच्च पदस्थ सूत्रों दावा है कि ई-ऑफिस से न केवल प्रशासनिक कार्य तेज होने के साथ ही भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा। डिजिटल गवर्नेंस सरकार की प्राथमिकता है। ई-ऑफिस से न केवल कार्य कुशलता बढ़ेगी, बल्कि जनता को भी बेहतर सेवाएं मिलेंगी। ई ऑफिस के क्रियानव्यन के लिए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को कई महीनों से अलग-अलग प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

अब होगा पेपरलेस कामकाज

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन शुरु किया गया है। यह डिजिटल पहल राज्य के विभिन्न विभागों में कागज रहित कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। ई-ऑफिस प्रणाली के तहत फाइलों का प्रबंधन, दस्तावेजों का आदान-प्रदान और निर्णय लेने की प्रक्रिया अब ऑनलाइन हो रही है, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है। इस सिस्टम क प्रारंभ होने के समय मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित एक समिति ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के उपयोग के लिए प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख शहरों में स्थित कार्यालयों में यह प्रणाली पहले ही तैयार हो चुकी है। जबकि अन्य जिलों में चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जा रहा है।

महंगे में खरीद कर भी निर्धारित दर पर आपूर्ति का प्रबंधन

भीषण गर्मी ने बढ़ाई बिजली की मांग, खपत 7000 मेगावॉट पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी की वजह से बिजली की मांग में बहुत तेजी से बढ़ी है। पिछले साल मई में अधिकतम मांग 6,368 मेगावॉट पहुंची थी, जो इस साल अप्रैल में ही 10 प्रतिशत बढ़कर 7,006 मेगावॉट तक पहुंच गई। भारी मांग के कारण आम उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति में व्यवधान न आए, इसके लिए छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी द्वारा पीक ऑवर्स में ऊंचे दाम पर भी बिजली खरीद कर निर्धारित दर पर ही आपूर्ति की जा रही है।

बताया गया है कि अत्यधिक मांग के कारण विद्युत प्रणाली पर भारी दबाव होता है। इसके कारण विगत 15 दिनों में केंद्रीकृत कॉल सेंटर में कुल 65 लाख उपभोक्ताओं में से 1 लाख 56 हजार शिकायतें दर्ज की गई जिनका निराकरण समय पर किया गया। त्वरित मरम्मत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

सालभर में मांग बढ़ी 10 प्रतिशत

इस साल पिछले वर्षों की अपेक्षा अप्रैल माह में ही तेज गर्मी पड़ने लगी है। जिसके कारण विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं की बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है। विगत वर्ष मई महीने में 6,368 मेगावॉट की तुलना में इस वर्ष 22 अप्रैल में ही मांग 7,006 मेगावॉट को स्पर्श कर गई जो विगत 1 वर्ष में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि है।

महंगी बिजली खरीद कर आपूर्ति कर रहे

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी, पॉवर एक्सचेंज और बैंकिंग के साथ ही एचपीडीएएम (हाई प्राइज़ डे अहेड मार्केट) के जरिये मंहगी दरों पर बिजली खरीदकर आम घरेलू उपभोक्ताओं को क्रय दर से कम दरों पर बिजली प्रदान कर रही है। वन नेशन, वन ग्रिड के आधार पर देशभर के सभी विद्युत घरों की उत्पादित बिजली ग्रिड में डाली जाती है, उसे राज्य आवश्यकतानुसार क्रय करके अपने राज्य में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक दिन पूर्व मांग बताई जाती है। फिर मांग के अनुसार हर 15 मिनट के स्लैब में बिजली की दरें जारी होती हैं, जिस राज्य की दर अधिक रहती है, उसे विद्युत उत्पादक कंपनियां बिजली बेचती हैं।

बिजली की खरीदी 14.50 रुपए प्रति यूनिट पर

छत्तीसगढ़ में बिजली की औसत मांग दिन में 5,120 मेगावॉट रहती है। परन्तु पीक ऑवर (शाम 6 बजे से रात तक) में यह मांग 6,500 से 7,000 मेगावॉट से अधिक पहुंच रही है। इसे पूरा करने लगभग 800 मेगावॉट बिजली एचडीपीएम के जरिये ली जा रही है। इसमें अधिकतम 14.50 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदी जा रही है। कई बार इतनी अधिक दर पर भी बिजली नहीं मिलती। 24 अप्रैल को पॉवर कंपनी ने 6,800 मेगावॉट बिजली की मांग का आकलन करते हुए अतिरिक्त बिजली मार्केट से क्रय करने की प्लानिंग की। इसी तरह प्रतिदिन एक अलग टीम प्रदेश में संभावित मांग और आपूर्ति का तालमेल करते हुए पॉवर परचेज करती है। सामान्य तौर पर राज्य में उत्पादित बिजली की दर 4 से 8 रूपए प्रति यूनिट तक रहती है। उपभोक्ताओं के हित में खुले मार्केट से बिजली क्रय करने पर अधिक कीमत देनी पड़ती है।

अब कर्जमुक्त हुआ नवा रायपुर विकास प्राधिकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, जिसे पहले एनआरडीए के नाम से जाना जाता था, अब पूरी तरह से कर्जमुक्त हो गया है।

प्राधिकरण ने 1788 करोड़ रुपये का सारा कर्ज़ चुका दिया है, जो कि भारत सरकार और कई राष्ट्रीयकृत बैंकों से लिया गया था। साथ ही 100 करोड़ रुपये की सरकारी गारंटी भी अब राज्य सरकार को लौटा दी है। इस उपलब्धि का श्रेय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नीतियों, वित्तीय अनुशासन और पारदर्शी प्रशासन को जाता है। यह कदम नवा रायपुर को अधोसंरचना विकास और नई परियोजनाओं के क्रियान्वयन में मददगार होगा।

मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नवा रायपुर अटल नगर का ऋणमुक्त होना एक सुखद संकेत है। हमारी सरकार ने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और रणनीतिक नियोजन के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि प्राधिकरण न केवल कर्ज से मुक्त हो, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर विकास की नई ऊंचाइयों को छूए। यह उपलब्धि नवा रायपुर को एक आधुनिक, रोजगारोन्मुखी और सुविधायुक्त शहर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सारी संपत्तियां बंधन मुक्त

ऋणमुक्ति के साथ, प्राधिकरण की सभी संपत्तियां अब बंधनमुक्त हो गयी हैं, जिससे उनका उपयोग और क्रय-विक्रय आसान होगा। इससे नगदी प्रवाह बेहतर होगा और अधोसंरचना, सार्वजनिक सेवाओं और नई परियोजनाओं को तेजी से लागू किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम नवा रायपुर को मेडिकल टूरिज्म और औद्योगिक विकास का केंद्र बनाएगा।

नवा रायपुर बना नया ग्रोथ इंजनः चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी का कहना है कि नवा रायपुर छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नया ग्रोथ इंजन बनने जा रहा है। यहां आरबीआई, नाबार्ड सहित अन्य बैंकों और एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यालय, बालको कैंसर अस्पताल, सत्य साईं अस्पताल जैसे अनेक संस्थाओं का पदार्पण हो चुका है। अब यहां पर सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर क्षेत्र से संबंधित उद्योग भी लगने जा रहे हैं। नवा रायपुर में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल सुविधा प्रदान करने हेतु लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में मेडिसिटी विकसित करने की योजना है।

अध्ययन अवकाश, बिना स्टाइपेंड कर रहे काम

तर्क संशोधन आदेश में पुराने एडमिशन वालों का जिक्र नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एमडी-एमएस की पढ़ाई करने के लिए तीन साल के अध्ययन अवकाश के स्पष्ट नहीं होने की वजह से करीब पचास डाक्टरों को तीसरे साल की पढ़ाई के दौरान स्टाइपेंड नहीं मिल रहा है। इन पीजी डाक्टरों को कार्यालयीन स्टाफ द्वारा तर्क दिया जा रहा है कि आदेश में पुराने एडमिशन वालों को इसका लाभ देने का जिक्र नहीं है। चिकित्सकों ने बताया कि वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 बैच के पीजी छात्र इस आदेश के स्पष्ट नहीं होने की वजह से बिना शिष्यवृति के पढ़ाई और काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पीजी के तीन साल की पढ़ाई के लिए दो साल अध्ययन अवकाश दिया जाता था। अवकाश की अवधि बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास के बाद पिछले महीने इस मामले में संशोधित आदेश जारी किया गया था। इसे लेकर पीजी की पढ़ाई करने वालों में हर्ष का माहौल था, जिसमें कुछ को अब दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तृतीय वर्ष की पढ़ाई करने वाले डाक्टरों ने बताया कि उन्हें बिना स्टाइपेंड के काम करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कालेजों और संचालनालयों के स्टाफ द्वारा तर्क दिया जा रहा है कि आदेश में इस बात का उल्लेख नहीं है कि तृतीय वर्ष का अध्ययन अवकाश पुराने छात्रों को भी दिया जाएगा। इस तर्क की वजह से चिकित्सा विशेषज्ञ की पढ़ाई के अंतिम वर्ष में पहुंच चुके करीबन 50 छात्रों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। डाक्टरों का खर्च है कि पढ़ाई के साथ अस्पतालों में ड्यूटी के दौरान होने वाले खर्च को उन्हें अपनी जेब से वहन करना पड़ रहा जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।

अलग खबर

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम बनाने के बाद जरूरत

एमबीबीएस के बाद पीजी की पढ़ाई के लिए कई कोर्स में दो साल का डिप्लोमा होता था। वर्ष 2019 के पूर्व मेडिकल की पढ़ाई के लिए दो साल का डिप्लोमा कोर्स संचालित होता था। वर्ष 2019 में सभी डिप्लोमा विषयों को तीन वर्षीय स्नातक के रूप में मान्य कर दिया गया। इसके बाद अध्ययन अवकाश को दो के बजाए तीन साल करने की जरूरत पड़ी। इसकी मांग के लिए चिकित्सकों के संगठन ने काफी प्रयास किया, जिसके बाद इसका आदेश पिछले माह ही जारी किया गया है।

बांड नियम तोड़ने पर ब्याज के साथ वसूली

जारी किए गए संशोधित आदेश में पीजी की पढ़ाई के लिए दी जाने वाली छुट्टी के बाद 5 साल की अनुबंध सेवा अनिवार्य रूप से पूरा करने का शर्त रखा गया है। इस नियम का पालन नहीं करने पर संबंधित छात्र से अध्ययन अवकाश प्रारंभ होने की तिथि से राशि वापस करने की तिथि तक 8 प्रतिशत चक्रवृद्धि ब्याज की दर से वसूली का प्रावधान किया गया है। वसूली नहीं हो पाने पर संबंधित चिकित्सक की एमबीबीएस, पीजी अथवा अन्य सुपरस्पेशलिटी डिग्री छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद् द्वारा निरस्त करने का जिक्र भी है।

जूनियर डॉक्टरों ने निकाला कैंडल मार्च

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के जूनियर डॉक्टरों ने शुक्रवार की शाम पहलगाम पीड़ितों के सम्मान में कैंडल मार्च का आयोजन किया। आयोजन में बड़ी संख्या में डॉक्टर, छात्र और आम नागरिक शामिल हुए। मार्च के दौरान सभी प्रतिभागी मोमबत्तियाँ लेकर मौन रहकर उन निर्दोष लोगों के लिए अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं, जिन्होंने हाल की घटनाओं में अपने प्राण गंवाए। डॉक्टरों ने संदेश दिया कि एकता और शांति ही अंधकार में आशा का प्रकाश बन सकती है। कैंडल मार्च मेडिकल कॉलेज परिसर से शुरू होकर अस्पताल के मुख्य द्वार तक पहुँचा, जहाँ एक संक्षिप्त सभा में मौन धारण कर पीड़ितों के लिए प्रार्थना की गई।

निशक्तजन वित्त एवं विकास निगम अब होगा छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन, सीएम ने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुक्रवार को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष लोकेश कावड़िया को नए दायित्व के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम का नाम परिवर्तित कर छत्तीसगढ़ दिव्यांग जन वित्त एवं विकास निगम करने की घोषणा की। साथ ही मुख्य मंच से इस अवसर पर 15 दिव्यांग हितग्राहियों को ऋण, 11 दिव्यांग हितग्राहियों को ऋण अदायगी करने पर ब्याज सब्सिडी एवं श्रवण बाधित दिव्यांग को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया।

- दिव्यांगों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है सरकार- साय

रमन ने कहा- दिव्यांगों के जीवन में खुशहाली लाएं

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनो के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान दंतेवाड़ा जिले में आए थे, तब दिव्यांगजनों से उनका विशेष लगाव देखने को मिला था। आज हमारी सरकार ने बेहद अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता को इसकी जिम्मेदारी दी है, जिसका सीधा लाभ दिव्यांग साथियों को मिलेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्पों के आधार पर दिव्यांगों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने एवं उनके कौशल विकास पर जोर दे रही है। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे सहित विभिन्न मंडल आयोगों के अध्यक्षगण, छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में दिव्यांग छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक इलाज का आदेश, दोपहर बाद पैरामेडिकल स्टाफ के भरोसे

बारह घंटे ओपीडी योजना का डिब्बा गुल, हमर क्लीनिक में सुबह की जांच के भरोसे मरीजों का उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए गली-मोहल्ले में खोले गए हमर क्लीनिक में बारह की ओपीडी का डिब्बा गुल हो चुका है। यहां सुबह आठ से रात्रि आठ बजे तक यहां मरीजों की जांच और उपचार की सुविधा देने का आदेश है, मगर सुबह की ओपीडी और दोपहर 2 बजे से ज्यादातर हमर क्लीनिक पैरामेडिकल स्टाफ के भरोसे हो जाता है। जानकार लोगों का कहना है कि हमर क्लीनिक को सेटअप के अनुसार डाक्टर और चिकित्सकीय स्टाफ नहीं मिल पा रहे हैं, जिसकी वजह से उनका काम ले-देकर चल रहा है। सर्दी-खांसी, बुखार जैसी समस्याओं के इलाज के साथ नियमित वैक्सीन और बीपी-शुगर की दवाओं के वितरण को ध्यान में रखते हुए गली-मोहल्ले में हमर क्लीनिक खोला गया था। शुरुआती दौर में बनाई गई योजना और जारी किए गए आदेश के अनुसार यहां आने वाले मरीजों को 12 घंटे और सातों दिन उपचार की सुविधा दिए जाने की योजना थी। इसके लिए हमर क्लीनिक में एमबीबीएस डाक्टर के साथ अन्य चिकित्सकीय स्टाफ का सेटअप भी बनाया गया। शुरुआती दिनों में हमर क्लीनिक का संचालन जोर-शोर से हुआ फिर मानिटरिंग में ढिलाई से यहां की उपचार व्यवस्था प्रभावित हुई। वर्तमान में राजधानी रायपुर में 50 हमर क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है, जिसमें से 90 फीसदी केंद्र हॉफ डे संचालित हो रहा है। हमर क्लीनिक में सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक ओपीडी हो रही और दोपहर दो बजे के बाद यहां यहां केवल नॉन क्लीनिकल और पैरामेडिकल स्टॉफ ही शेष रह जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि शुरुआती दिनों में यहां काफी संख्या में डाक्टर मिल रहे थे मगर अब इनकी किल्लत होने लगी है। किसी भी हमर क्लीनिक में कम से कम दो चिकित्सक की आवश्यकता है मगर वास्तव कई क्लीनिक में एक डाक्टर भी नहीं है।

- सेटअप के अनुसार नहीं मिल रहे डाक्टर और चिकित्सकीय स्टाफ, ले-देकर चला रहे काम

शाम की ओपीडी बंद

कामगार वर्ग के मरीजों को शाम के वक्त ओपीडी में उपचार देने की योजना भी बनाई गई थी। इसके तहत शाम 5 से रात्रि आठ बजे तक तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की मौजूदगी जरुरी थी। कुछ स्वास्थ्य केंद्रों में यह व्यवस्था संचालित हो रही है मगर अधिकांश केंद्रों में मरीजों को अपनी शारीरिक समस्याओं के इलाज के लिए सुबह की ओपीडी का इंतजार करना पड़ता है। शासन द्वारा सुबह-शाम स्वास्थ्य केंद्रों में जांच और उपचार की योजना ठंडी पड़ गई है।

आधा दर्जन स्टाफ

हमर क्लीनिक में डाक्टरों के अलावा एक एमपीडब्लू, एक डेटा कंप्यूटर आपरेटर, एक चतुर्थ वर्ग कर्मचारी एवं नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी लगाने का नियम था। अन्य वर्ग के कर्मचारियों की व्यवस्था को विभागीय स्तर पर कर ली जा रही है मगर नर्सिंग स्टाफ और पर्याप्त संख्या में डाक्टर हमर क्लीनिक को नहीं मिल पा रहे है। जरुरतों को ध्यान में रखते हुए बांडेड के साथ निजी डाक्टरों की सेवाएं भी लेने का प्रयास किया जा रहा है।

फंड का अभाव भी

सूत्रों के अनुसार हमर क्लीनिक के संचालन और रखरखाव के लिए फंड की समस्या भी सामने आने लगी है। इसके लिए पंचवर्षीय योजना के तहत राशि का आवंटन नहीं हुआ है। इसकी वजह से हमर क्लीनिक की संख्या बढ़ नहीं पा रही है। कई स्थानों पर इसके बोर्ड तो लगाए गए हैं मगर भवन निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। चिकित्सकों और अन्य स्टाफ के वेतन की व्यवस्था एनएचएम के माध्यम से की जा रही है।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 26 अप्रैल 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

05

ईशान कोण में गर्भगृह, दर्शन के लिए...

लाइव इवेंट

कृषि विवि और आईआईटी अब मिलकर करेंगे शोध, प्रौद्योगिकी विकास को मिलेगी नई दिशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दो प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी भिलाई शिक्षा, शोध तथा प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण स्नातकोत्तर शोध, संकाय शोध तथा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास की संयुक्त परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को यहां दोनों संस्थानों के मध्य पंचवर्षीय समझौता किया गया। समझौता ज्ञापन पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश ने हस्ताक्षर किए। प्रदेश के दो उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों के बीच हुए समझौते से राज्य में शोध, अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई एवं छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी के मध्य स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एवं प्रौद्योगिकी विकास में सहयोग के लिए भी समझौता ज्ञापन किया गया।

प्रशिक्षण के लिए छात्रों का आदान-प्रदान होगा

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के मध्य संपन्न समझौते के तहत दोनों संस्थानों में स्नातकोत्तर तथा शोध पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शोध कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए दोनों संस्थान एक-दूसरे को मान्यता देंगे। दोनों पक्ष चुनौतीपूर्ण शोध समस्याओं पर केंद्रित संयुक्त सहयोगी शोध में भी संलग्न होंगे, जिससे समस्या की पहचान, जैविक सामग्री के आदान-प्रदान तथा शोध कार्यों का संपादन किया जा सकेगा। दोनों संस्थानों में उपलब्ध शोध सुविधाओं और पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग भी किया जा सकेगा। शैक्षणिक शोध और प्रशिक्षण के लिए छात्रों का आदान-प्रदान होगा तथा वे दोनों संस्थानों में उपलब्ध छात्रावास सुविधा का लाभ भी ले सकेंगे। दोनों संस्थान उपलब्ध सूचनाओं, वैज्ञानिक या तकनीकी डेटा, प्रौद्योगिकी तथा अन्य जानकारियों का भी परस्पर उपयोग कर सकेंगे।

जॉब अलर्ट

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर म्यूजिशियन पदों पर निकाली भर्ती

रायपुर। इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर म्यूजिशियन पदों पर भर्ती निकाली गई है। जो भी अभ्यर्थी इस रैली भर्ती में शामिल होना चाहते हैं वे तय तिथियों के अंदर ऑनलाइन माध्यम से आधिकारिक वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। एप्लीकेशन फॉर्म भरने की लास्ट डेट 11 मई 2025 तय की गई है। फॉर्म भरने से पहले उम्मीदवार पात्रता एवं मापदंड की जांच अवश्य कर लें। अभ्यर्थियों को बता दें कि इस भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का चयन रैली भर्ती के माध्यम से किया जायेगा। रैली भर्ती के लिए डेट 10 से 18 जून 2025 तय की गई है। इस भर्ती में आवेदन के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की हो। इसके साथ ही अभ्यर्थी को संगीत का ज्ञान होना चाहिए जिसकी विस्तृत डिटेल ऑफिशियल वेबसाइट से चेक कर सकते हैं। इसके साथ ही अभ्यर्थी का जन्म 1 जनवरी 2005 से 1 जुलाई 2008 के बीच हुआ हो। इसके अलावा अभ्यर्थी को शारीरिक योग्यता को भी पूरा करना होगा।

आवेदन शुल्क 100 रुपए

अग्निवीर रैली भर्ती में आवेदन के साथ सभी कैटेगरी के उम्मीदवारों को 100 रुपए शुल्क का भुगतान करना होगा। आवेदन फीस डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड एवं नेट बैंकिंग के माध्यम से जमा किया जा सकता है। भर्ती से जुड़ी विस्तृत डिटेल के लिए अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। अग्निवीर वायु पदों पर चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को पहले साल 30,000 रुपए, दूसरे साल में 33,000 रुपए, तीसरे साल में 36500 रुपए और चौथे साल में 40000 रुपए प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा।

इस तरीके से भरें फॉर्म

फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। वेबसाइट के होम पेज पर भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद अभ्यर्थियों को पहले मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लेना है। रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन के माध्यम से अन्य डिटेल भरकर फॉर्म को पूरा कर लें। अंत में अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क जमा करके फॉर्म को सबमिट करके उसका प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लेना है।

● गर्मी में सुबह-शाम मेहनत करने वाले बच्चों को सलाह, हाइड्रेटेड रखेंगे नीबू शिकंजी, नारियल का पानी

मैदान पर जाने से 20 मिनट पहले लें तरबूज का जूस, नहीं होगी घबराहट, सनस्क्रीन लगाने के 15 मिनट बाद घर से निकलें

> गर्मी की छुट्टी में 5 से 15 साल तक के बच्चे सुबह 6 से 10 और शाम 4 से 7 बजे तक मैदान में पसीना बहाकर अपने हुनर को तराशने में जुटे हुए हैं। इस चिलचिलाती धूप में बच्चे खुद तो बेफिक्र होकर मैदान में जुटे हैं, लेकिन गर्मी से बचाव भी जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को मेहनत तो खूब कराई जा रही है, लेकिन उनकी डाइट और हाइड्रेशन की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा।

रायपुर। बच्चों को मैदान भेजने से पहले अधिकांश माता-पिता केवल खानापूर्ति करते हैं, जबकि इस वक्त उन्हें भरपूर पोषण और तरल पदार्थों की जरूरत होती है। दोपहर के समय जब धूप सबसे तेज होती है, उस वक्त खेलने से पहले बच्चों को तरबूज का जूस, नीबू पानी या नारियल पानी देना जरूरी है। बच्चों के शरीर से लगातार पसीना निकलने के कारण उन्हें हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है, वरना डिहाइड्रेशन, थकान, त्वचा की जलन और हीट रैशेज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चे जब बिना सही डाइट और सावधानी के मैदान में खेलते हैं तो उनकी सेहत पर असर पड़ना तय है। पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों के लिए हल्के सूती कपड़े चुनें, घर से निकलने से पहले उनकी खुली त्वचा पर सनक्रीम लगाएं और खेल के बाद ठंडे पानी से स्नान जरूर कराएं। खेल से लौटने के बाद बच्चों को केवल बिस्किट या चाय देने के बजाय हेल्दी स्नैक्स जैसे फल, दूध, पनीर या चीला दें। डाइटेशियन श्वेता मिश्रा का कहना है कि खेल जरूरी है, लेकिन खेल के साथ संतुलित खानपान और शरीर की देखभाल भी उतनी ही अहम है। छुट्टियों में बच्चों की एनर्जी को सही दिशा देने के लिए पैरेंट्स को थोड़ी सजगता दिखानी होगी, ताकि वे स्वस्थ रहें और गर्मी का असर उनके उत्साह पर हावी न हो।

शाम को दें नट या बादाम शेक

शाम 4 बजे तक ग्राउंड पर पहुंचने वाले बच्चों को हाइड्रेड रखने के लिए शिकंजी, कैरी पना या अन्य ड्रिंक्स दोपहर 3.30 बजे दें। शाम के समय अधिक गर्मी होने से एनर्जी लॉस होती है। बच्चे को ब्रेक के दौरान घर में बने ड्राईफ्रूट्स के लड्डू, पनीर सैंडविच, आलू की टिक्की, केला या फिर अंकुरित दालों की चाट खाने के लिए दें। ग्राउंड पर निकलने से पहले उसे फ्रूट स्मूदी या फिर फ्रूट शेक दें। इससे इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस रहेगा, वॉमिटिंग नहीं होगी। घर लौटने के बाद बच्चे को नमक और चीनी का घोल दें। इसके बाद उसे नट या बादाम शेक पीने के लिए दे सकते हैं

जिंक ऑक्साइड वाली फिजिकल सनस्क्रीन लगाएं

जब भी धूप में निकलें तो शरीर के खुले हिस्से जैसे हाथ, गर्दन और चेहरे पर सर्दियों में लगाई जाने वाली मॉश्चराइजर से तब तक मसाज करें, जब तक बॉडी क्रीम को ऑब्जर्व न कर ले। इसके बाद क्रिकेटर की तरह जिंक ऑक्साइड वाली फिजिकल सनस्क्रीन लगाएं, इससे चेहरे हाथ और गर्दन पर रैशेज नहीं आएंगे। फिर 15 मिनट बाद धूप में निकलें।

सुबह केला खाएं पिएं भरपूर पानी

बच्चे सुबह 5 बजे ग्राउंड पर जाने से पहले एक केला खाएं। कुछ देर बाद एक गिलास पानी पिलाकर रवाना हों। बच्चे की बोतल में सिर्फ पानी भरकर हर रोज न दें, कभी-कभी पुदीना, नीबू और कैरी का पना भी दें। ग्राउंड से लौटने के बाद बच्चे को आराम न करने दें। उसे हल्का-फुल्का खाने में दें, जिससे बिस्तर पर पहुंचने के बाद बॉडी रिदम में आकर फिर से चार्ज हो सके। घर पर खरबूजा और तरबूज का जूस दे सकते हैं। लंच में बूंदी, लौकी, ककड़ी, मिक्स फ्रूट रायता, वहीं रात के समय खिचड़ी, दलिया या फिर अन्य हल्का भोजन दे सकते हैं। ग्राउंड में मिले ब्रेक में पनीर सैंडविच खा सकते हैं।

गांव के बच्चों को नवोदय पहुंचा रहे शिक्षक निशुल्क कोचिंग से हर साल 5 छात्रों का चयन

रायपुर। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को नवोदय विद्यालय में चयन कराने के लिए शासकीय प्राथमिक शाला के शिक्षक निशुल्क कोचिंग दे रहे हैं, जिससे हर साल 5 बच्चों का चयन हो रहा है। गांव के बच्चों के चयन के लिए शिक्षक रिखीराम पारकर हर दिन दो घंटे अलग से पढ़ा रहे हैं, ताकि बच्चों का चयन हो सके। इस अवसर पर हर साल औसतन पांच बच्चों का चयन हो रहा है। पिछले दस वर्षों से यह क्रम चल रहा है। शिक्षक चेलेंद्र साहू ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। प्राथमिक शाला ढौर के प्रधान पाठक अश्वनी कुमार देवांगन ने बताया कि पारकर सेना में रहकर अपने देश के लिए कुछ कर गुजरने के जज्बे को कायम रखने के लिए सेवा दी। इसके बाद शिक्षा विभाग में वे वर्ष 2015 से नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की अपने व आसपास के गांवों के छात्रों को शाला के समय से अतिरिक्त समय 2 घण्टे निकालकर सुबह 8 बजे से 10 बजे तक निशुल्क विशेष कोचिंग दे रहे हैं।

प्रतिवर्ष 5000 रुपए खर्च

शिक्षक छात्रों का साप्ताहिक टेस्ट लेते हैं, फिर टेस्ट के मुताबिक, उनकी गलतियों में सुधार लाकर उनका चयन कराने में महती भूमिका का निर्वहन करते हैं। इसमें प्रायवेट स्कूल व आसपास के गांव के बच्चे भी शामिल होते हैं। चयन परीक्षा में सफल होते हैं। प्रश्नपत्र तैयार करने व टेस्ट में प्रतिवर्ष लगभग 5000 रुपए खर्च होता है, जो विद्यालय की ओर से वहन किया जाता है। अब तक इस कोचिंग के माध्यम से 45 बच्चों का नवोदय के लिए चयन हो चुका है। उनके अलावा चेलेंद्र साहू भी रोज 1 घंटे का अतिरिक्त शिक्षा दे रहे हैं। इस वर्ष 2024-25 में भी शासकीय प्राथमिक शाला ढौर क्रमांक से वंश निर्मलकर, निधि निर्मलकर, प्रतीक शिवारे, अजय कुमार, क्रमांक 2 से शिनी गुप्ता का चयन हुआ है।

आउटडोर स्टेडियम में जुंबा और साइकिलिंग कल

रायपुर। फिट इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत 27 अप्रैल को सुबह 6.30 बजे आउटडोर स्टेडियम परिसर बूढ़ापारा में स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जहां सुबह जुंबा, टीम स्टे फिट के साथ और साइकिलिंग जैसी गतिविधि होगी। कार्यक्रम की शुरुआत टीम स्टे फिट के साथ जुंबा से होगी, जिसके बाद प्रतिभागी साइकिल रैली में भाग लेंगे। यह रैली आउटडोर स्टेडियम से शुरू होकर कोतवाली चौक, सदर बाजार, सत्ती बाजार, कंकाली तालाब, पुरानी बस्ती होते हुए पुनः स्टेडियम में आकर समाप्त होगी। इस आयोजन का उद्देश्य पत्रकारों के साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और फिटनेस को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई है। रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने सभी पत्रकारों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

मुख्यमंत्री साय ने किया उद्घाटन, ब्रांडेड शॉप्स से लेकर सिनेमा हॉल तक सबकुछ एक छत के नीचे

आधुनिक सुविधाओं के साथ शुरू हुआ जोरा द मॉल, महानगर के तर्ज पर मिलेंगे ब्रांडेड आयटम

कार्नर न्यूज

रायपुर। प्रदेश के सबसे बड़े मॉल 'जोरा द मॉल' का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया और विघ्नहर्ता भगवान गणेश का आशीर्वाद लेकर राज्य की समृद्धि की कामना की। उन्होंने मॉल में बनाए गए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सिनेमा हॉल का उद्घाटन भी किया और राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित एक प्रेरणादायक वीडियो देखा। जोरा द मॉल शहर का छठवां और अब तक का सबसे अत्याधुनिक मॉल है, जिसे महानगरों की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स की शॉप्स हैं, जिससे अब प्रदेशवासियों और राजधानीवासियों को ब्रांडेड सामान खरीदने के लिए किसी दूसरे राज्य या महानगर जाने, ऑनलाइन ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शुभारंभ के दिन बड़ी संख्या में लोग मॉल का नजारा देखने, शॉपिंग करने और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने पहुंचे। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समेत राज्य सरकार के कई मंत्री और विधायक भी उपस्थित रहे।

12 वर्षों की यात्रा के बाद तैयार हुआ

मॉल के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मॉल आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी सभी आवश्यक वस्तुएं, मनोरंजन और सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराएगा। इससे आसपास के युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। लगभग 12 वर्षों की यात्रा के बाद यह प्रतिष्ठान अपने वास्तविक स्वरूप में बनकर तैयार हुआ है। प्रतिष्ठान के संचालक अनुभवी हैं और उद्योगपति के रूप में उनके लंबे अनुभवों का लाभ इस नए प्रतिष्ठान को भी मिलेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि 12-13 वर्ष पहले ट्रेजर आईलैंड के नाम से इस मॉल का काम प्रारंभ हुआ, परंतु लम्बी यात्रा के बाद आज नए कलेवर के साथ इसका शुभारंभ हुआ। यह मॉल रायपुर और प्रदेशवासियों के लिए बेहतरीन खरीदी एवं मनोरंजन का केंद्र होगा।

लोगों ने देखा लग्जरी पीवीआर

जोरा द मॉल के लग्जरी पीवीआर में अब फिल्म देखना सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक प्रीमियम अनुभव बन गया है। यहां की सीटों पर अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, जो दर्शकों को एक अलग ही रॉयल फील देंगी। हर सीट में पांच खास बटन दिए गए हैं, जिनकी मदद से सीट को पूरी तरह पीछे कर लेटकर फिल्म देखी जा सकती है। पैरों को सीधा कर आरामदायक पोजीशन में बैठा जा सकता है। खाने का ऑर्डर सिर्फ एक बटन दबाकर किसी भी समय किया जा सकता है। सीट की साइड में लगे लैंप की लाइट को ऑन या ऑफ किया जा सकता है और पूरी सीट को अपने अनुसार एडजस्ट किया जा सकता है। यह सुविधा रायपुर में पहली बार किसी मल्टीप्लेक्स में उपलब्ध है। फिल्म देखते हुए खाना ऑर्डर करने और आराम से बैठने जैसी सहूलियतें इस लग्जरी पीवीआर को खास बनाती हैं।

ये रहे उपस्थित

शुभारंभ समारोह को उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी संबोधित कर अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक अमर अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, सीएसआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, सीएमडीसी के अध्यक्ष सौरभ सिंह, आरडीए के अध्यक्ष नंदकुमार साहू, बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया, मॉल के संचालक विजय झावर भी उपस्थित रहे।

समाज लाइव

सादगी से मनाया जाएगा भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव, दिवंगतों को देंगे श्रद्धांजलि

रायपुर। विप्र सामाजिक संगठन समग्र ब्राह्मण परिषद की मासिक बैठक श्री महामाया देवी मंदिर परिसर में हुई। संगठन की प्रदेश सचिव अर्चना दीवान ने बताया कि आगामी 29 अप्रैल को आराध्य देव एवं विप्र शिरोमणि भगवान परशुराम का अवतरण दिवस इस साल सादगी से मनाने का निर्णय लिया गया है। शुक्रवार को हुई बैठक में भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव के आयोजन के संबंध में सहयोगियों को संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. भावेश शुक्ला पराशर ने बताया कि 22 अप्रैल को राष्ट्र के मुकुट कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म के नाम पर देश के विभिन्न प्रांतों के हिंदुओं को उनके परिवार के सामने मारकर घृणित कृत्य किया गया है, जो कि देश के लिए असहनीय एवं पीड़ादायक है।

शौर्य-पराक्रम के लिए जलाएंगे दीए

व्यक्तिगत रूप से न सही, लेकिन संगठन परिवार राष्ट्र के निवासी शोकाकुल परिवारों के दुख में सहभागी हैं। इस वर्ष भगवान परशुराम के अवतरण दिवस पर पूजा-आरती के अलावा पूर्व में प्रस्तावित गतिविधियों को स्थगित करके प्राकट्य पर्व सादगी से मनाया जाएगा। दोपहर में पूजा-आरती और शाम को किसी देवस्थली पर दीप प्रज्ज्वलित कर घटना में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकी घटनाओं को खत्म करने, भारत की सेना के शौर्य और पराक्रम को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रार्थना करेंगे। बैठक में पं. शैलेन्द्र रिछारिया, पं.विवेक दुबे, पं. सजल तिवारी, पं. दीपक शुक्ला, कालिंदी उपाध्याय, खुशबू शर्मा, प्रीति तिवारी, संध्या उपाध्याय मौजूद रहीं।

सिटी इवेंट

नुक्कड़ नाटक से युवाओं को सजग और संस्कारी बनाएंगे, बैठक में किया मंथन

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल भवन रोहिणीपुरम महिला केंद्र में शुक्रवार को बैठक में सर्वसम्मति से जहां चित्रा बल्की को संयोजिका चुना गया, वहीं अचला मोहरीकर, अलका कुलकर्णी, जयश्री भुरे व साधना बरिहट सह संयोजिका बनाई गईं। बैठक में स्वावलंबन समिति की प्रभारी शताब्दी पांडे ने नई पीढ़ी को संस्कारी बनाने पर जोर दिया। बैठक में मंडल की उपाध्यक्ष गीता दलाल व महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले उपस्थित रहीं। वैचारिक चर्चा में शताब्दी ने कहा कि हर आयुवर्ग की महिलाओं पर किए गए राष्ट्रीय सर्वे के नतीजे गंभीर हैं। हालांकि इन आंकड़ों में बड़ा हिस्सा महानगरों का है। इससे हमें न केवल सचेत और सजग रहने की जरूरत है, बल्कि किशोरियों और युवतियों को संस्कार देते हुए जागरूक करने की जरूरत है।

हनुमान चालीसा पाठ के बाद चर्चा

मीटिंग में हर आयुवर्ग की बच्चियों, किशोरियों और युवतियों को नियमित रूप से बातचीत करने, संस्कार देने लघु नाटिकाओं और नुक्कड़ नाटकों का उपयोग करने की जरूरत बताई गई। इसके लिए योजना बनाकर काम करने पर सभी ने सहमति जताई। इससे पहले हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर बैठक का शुभारंभ किया गया। बाद में महिलाओं ने अंकों का 'छपाक' गेम खेला। इसमें कल्पना किरवईवाले विजेता बनीं। सोनाली कुलकर्णी उपविजेता रहीं। सीमा बक्षी ने चैत्र गौर हल्दी कुमकुम के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पूर्व संयोजिका श्यामल जोशी, छाया अंजनकर, अपर्णा जोशी, प्राची जोशी, रचना ठेंगड़ी मौजूद रहीं।

आराधना

देवी भागवत कथा के पहले दिन निकली कलश यात्रा

रायपुर। टाटीबंध में वेदी पूजन से पहले भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सिर पर कलश धारण करके सैकड़ों महिलाएं इस धार्मिक श्रृंखला में शामिल हुई। इसके चलते कथा स्थल क्षेत्र में भक्ति का माहौल निर्मित हुआ। महिलाएं पीले परिधान में आसपास क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद कथा स्थल पहुंची। इस कलश यात्रा का समापन होने के बाद श्रीमद देवी भागवत पुराण कथा से पहले वेदाचार्यों द्वारा वेदी पूजन किया गया। इसके बाद भागवताचार्य पं. मनोज शुक्ला ने व्यासपीठ संभालते हुए देवी कथा का श्रीगणेश किया। पं. मनोज महाराज ने कहा कि दुष्टों का अंत करने के लिए मां भगवती भक्तों पर कृपा करती है।

दोष के प्रभाव से कोई नहीं बचा

महाराज ने आगे कहा कि मां आदि शक्ति भगवती भी विविध अवतार लेकर दैत्यों का वध करते हुए अपने भक्तों पर कृपा बरसाती हैं। श्री देवी भागवत की महत्तम, हयग्रीव अवतार, मधुकैटभ प्रसंग, परीक्षित कथा और राजा जनमेजय के द्वारा किए गए सर्प यज्ञ के प्रसंगों पर महाराज ने प्रकाश डालते हुए कहा कि दोष के प्रभाव से इस संसार में कोई नहीं बचा है। इसका निदान करने से समस्या तो खत्म नहीं होती, लेकिन उसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। इससे बचने के लिए ही राजा ने यज्ञ का आयोजन किया था। यजमान के रूप में रिखीराम यादव ने आरती उतारने के बाद कथा विश्राति देते हुए प्रसाद वितरण किया।

> 'शहर में एक ऐसा मंदिर आकार ले रहा है, जिसमें बांकेबिहारी का गर्भगृह पहले फ्लोर पर ईशान कोण में होगा। वहां तक बुजुर्ग आसानी से पहुंच सकें, इसके लिए लिफ्ट लगाई जाएगी। मंदिर का बाहरी और आंतरिक स्वरूप थ्री-डी डिजाइन में होगा। श्रीधाम को बाहर और अंदर से अलौकिक स्वरूप राजस्थान के कारीगर दे रहे हैं। इंटीरियर वर्क एक्सपर्ट की टीम करने वाली है। आकर्षक लाइटिंग के साथ वास्तु के तहत मूर्तियों को स्थापित किया जाएगा।'

ईशान कोण में गर्भगृह, दर्शन के लिए लिफ्ट से जाएंगे बुजुर्ग, थ्री-डी डिजाइन में होगा इंटीरियर वर्क

नयापारा स्थित आस्था केन्द्र में अगस्त से फिर लौटेगी रौनक, इससे पहले एक्सपर्ट करेंगे इंटीरियर वर्क

रायपुर। नयापारा में स्थित आस्था केंद्र श्री बांके बिहारी मंदिर का कायाकल्प तय समय यानी डेढ़ साल में पूरा करने की तैयारी अब जोर पकड़ने लगी है। इसके लिए फरवरी 2024 में निर्माण कार्य शुरू किया था। काम शुरू करने से पहले इसे खास लुक देने के लिए श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल और मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया, राजस्थानी शैली और 3डी डिजाइन में तैयार ड्राइंग-डिजाइन के तहत काम चल रहा है। प्लास्टर वर्क के बाद बाहरी हिस्से को 3डी डिजाइन में तैयार करने की जिम्मेदारी इंजीनियर एवं डिजाइनर नीरज गज्जर निभाएंगे। ट्रस्ट द्वारा राजस्थान की शैली में मंदिर को लुक देने का दायित्व शिल्पकारों को दिया है। इस मंदिर को भक्तों की सुविधा के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। इसमें कई तरह के आयोजनों के लिए बड़े हॉल की सुविधा मंदिर ट्रस्ट से मिलेगी।

मंदिर की नक्काशी का अवलोकन

शहर के बीच इस मंदिर का पुरातत्व कला के लिहाज से किया जाने वाला डिजाइन भी आने वाले समय में अद्भुत छटा बिखेरेगी। 3डी वर्क करने वाले नीरज गज्जर ने कौशल्या माता मंदिर के बाहरी साज-सज्जा को डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि जब श्री बांके बिहारी मंदिर के लिए डिजाइन तैयार करने की बारी आई तो राजस्थान के प्राचीन महलों और श्रीबांके बिहारी मंदिर में की गई नक्काशी का अवलोकन करने के बाद मंदिर को डिजाइन किया।

मकराना मार्बल से बनेंगी मूर्तियां

मंदिर को वास्तु सम्मत बनाने ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्री सुमीत विज की सेवाएं ली गई हैं। वास्तुविद ने बताया कि मंदिर का संपूर्ण लेआउट पहले ही तैयार किया गया है। इसमें श्रीराधारानी के साथ श्रीबांके बिहारी की ब्लैक एवं ह्वाइट मार्बल से जयपुर में निर्मित की जा रही हैं। शिव परिवार, शिवलिंग, दुर्गा माता के साथ ही महालक्ष्मी और हनुमान की मूर्तियां स्थापित की जाएगी। मंदिर को वास्तु के लिहाज से तैयार करने का अवसर मिला तो शास्त्रों के अनुसार तय कोण में श्रीबांके बिहारी को मंदिर के ईशान कोण में स्थापित किया जाएगा।

श्रद्धालु पहुंचेंगे श्रीबांके बिहारी धाम

निर्माण समिति के अजय खेतान ने बताया कि मंदिर को ट्रस्ट के द्वारा थ्रीडी डिजाइन का अनावृत्त करने के पूर्व पं. सुरेश दुबे ने मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के नए डिजाइन की पूजा-अर्चना की। दोमंजिला बनने वाले मंदिर के ग्राउंड फ्लोर का काम होने के बाद सेकंड फ्लोर पर श्री बांके बिहारी विराजेंगे। दर्शन के लिए आने वाले भक्त लिफ्ट से श्री बांके बिहारी के श्रीधाम में पहुंचेंगे। इस मंदिर को कला के लिहाज से समृद्ध बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। इसके लिए समिति के पदाधिकारी व ट्रस्टी सक्रिय हैं।

शोलापुरी माता के दरबार में लगा श्रद्धालुओं का मेला, कल विदाई

रायपुर। भनपुरी में इन दिनों शोलापुरी माता के दिव्य दरबार में सैकड़ों श्रद्धालुओं का मेला लगा हुआ है। शुक्रवार को सुबह से देर रात तक लोग माता की एक झलक पाने के लिए परिवार के साथ पहुंचे। इसे देखते हुए पूजा उत्सव के आयोजकों ने भव्य पंडाल तैयार किया है, जिसमें सुबह से लेकर 11 बजे तक पूजा का विधान किया जाता है। लोग इसमें शामिल होने के साथ ही पुण्यलाभ लेने पूजा सामग्री के साथ पहुंचते हैं। इसमें महिलाओं की भीड़ हर दिन बढ़ रही है। जिस प्रकार से घर में मेहमान आने पर महिलाएं आवभगत करती हैं, कुछ ऐसा ही नजारा पंडाल में देखते ही बनता है। शोलापुरी माता को घर में पकाए गए व्यंजनों का भोग पुजारियों द्वारा अर्पित किया जाता है।

समिति को सदस्य भी दे रहे सहयोग

श्रीश्रीश्री शोलापुरी माता पूजा समिति के इस 18वें आयोजन का समापन 27 अप्रैल को विदाई के साथ किया जाएगा। तीसरे दिन भी भक्तों को शीतला माता स्वरूप में ही शोलापुरी माता ने दर्शन दिए। आरती के समय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। रामेश्वर नगर निवासी मोहन राव माता को 5 किलो हल्दी से स्वरूप देने का दायित्व निभा रहे हैं। संरक्षक नागभूषण राव, अध्यक्ष पी. पापा राव, कार्यवाहक अध्यक्ष एम. वासु राव, एम. त्रिनाथ राव, जे. कृष्णा राव और ओ. शंकर राव ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने इस बार भी अनेक लोग सहयोग दे रहे हैं।

बेटियों को पढ़ाने, बचाने के साथ नारी की पीड़ा से सजेंगे कैनवास

रायपुर। वर्तमान दौर में बेटियों के साथ हो रही शर्मनाक घटनाओं, उनको पढ़ाने और बचाने के भावों को युवा कलाकार कैनवास पर उकरने के बाद उसे शनिवार की शाम महाकौशल कला परिषद की प्रदर्शनी में सजाने वाले हैं। कला वीथिका में तारा देवी शर्मा कला उत्सव का प्रथम आयोजन होगा। इसमें हिंदुस्तान के वरिष्ठ कलाकार,महिला रचनाकार एवं युवा और बाल कलाकारों की रचनाएं अंतर्नाद विषय की कड़ी में महिलाओं पर हो रही हिंसा, छेड़छाड़, बलात्कार, भ्रुण हत्या जैसे विषयों पर चुनिंदा रचनाएं प्रदर्शित की जाएंगी। जल रंग, तैल रंग, कोलाज, पेंसिल,चारकोल, पैन, स्याही, एक्रेलिक, कम्प्यूटर ग्राफिक्स से तैयार रचनाओं को वीथिका में सजाया जाएगा।

प्रदर्शनी को खास बनाने का प्रयास

इस कला प्रदर्शनी में अविनाश नायक,श्रीवंश शाह, प्रियांशी साहू, संस्कृति साहू ,भीम सिंह धीवर, चेतन नायक जैसे कलाकारों की कृतियों को लोग देख सकेंगे। इनके साथ ही समृद्धि गुप्ता, सुमन यदु, दिव्यांशी शर्मा, जयश्री विश्वास, रीमा साहू, वंदना तिग्गा, प्रार्थना वर्मा द्वारा इस कला प्रदर्शनी को खास बनाने का प्रयास किया गया है। इस 100वीं अंतर्नाद राष्ट्रीय जुगलबंदी का समापन रविवार को दोपहर 10 बजे से 12 बजे के बीच होगा। इस प्रदर्शनी को कला प्रेमी निशुल्क देख सकते हैं।

भैरव सोसायटी में 27 अप्रैल को अमावस्या पर दादा गुरुदेव की पूजा में पहलगाम के शहीदों के लिए प्रार्थना

मंदिर में भक्ति का तम्बोला और आवाज की शक्ति के साथ झूमे श्रद्धालु, महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीने दो है प्रासंगिक

कार्नर न्यूज

रायपुर। आचार्य जिनमणि प्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर एवं चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी ने अनूठी पहल की। बीजेएस सीमंधर महिला मंडल ने नाकोड़ा भवन में भक्ति का तम्बोला और गरबा का भव्य आयोजन किया। पालनाजी के भक्ति में सीमंधर स्वामी के पास हमें जाना है, संयम ले के केवल पा के मोक्ष हमें जाना है...जैसे भजनों ने लोगों को भावविभोर कर दिया। सीमंधर स्वामी परमात्मा के पालनाजी के लाभार्थी संतोष सरला बैद महासचिव महेंद्र कोचर ट्रस्टी नीलेश गोलछा, डॉ. योगेश बंगानी ने दीप प्रज्वलित कर पालने को झुलाया। इसका संचालन मयूरी गोलछा ने करते हुए बताया कि धार्मिक प्रश्नोत्तरी के साथ प्रत्येक 60 मिनट में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सीमा और दीप्ति ने गीतों से मचाई धूम

नवकार मंत्र की शक्ति से रंगों का जादू, प्रभु भक्ति के इस रंगारंग आयोजन में महिलाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सीम झाबक और दीप्ति बैद की प्रस्तुति आवाज की शक्ति प्रभु की भक्ति में सभी प्रतिभागी गायकों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में महिला मंडल के मेंबर्स और पदाधिकारियों ने पहले से ही तैयारी की थी। इसे देखते हुए लोगों की भीड़ ने भक्ति से सजे इस आयोजन में परिवार के साथ शामिल होकर उत्साह का संचार किया। इसमें हर वर्ग के लोगों ने सहभागिता निभाते हुए आयोजन को सफल बनाने का प्रयास किया।

27 को दादा गुरुदेव की होगी बड़ी पूजा

पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रार्थना और इक्तीसा जाप किया जाएगा। दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि 27 अप्रैल को सुबह 10 बजे से चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में दादा गुरुदेव की बड़ी पूजा होगी। इसमें कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में शहीद नागरिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप प्रार्थना इक्तीसा जाप किया जाएगा। श्री कोचर ने कहा कि वर्तमान में विश्व पटल पर महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीने दो प्रासंगिक है। अहिंसा ही विश्व शांति का एकमात्र मार्ग है, इस पर सभी को चलने की आवश्यकता है।

सिटी स्पोर्ट्स

वर्ल्ड टेबल टेनिस डे समारोह में वरिष्ठ खिलाड़ी हुए सम्मानित

रायपुर। वर्ल्ड टेबल टेनिस डे के अवसर पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ एवं राजधानी टेबल टेनिस संघ, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 23 अप्रैल को सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल, रायपुर में एक सादगीपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर टेबल टेनिस के वरिष्ठ खिलाड़ियों का उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष श्री शरद शुक्ला जी ने किया तथा विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी एवं कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला थे। मंच पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी एवं विनय बैसवाड़े उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रायपुर महानगर टेबल टेनिस संघ के सचिव शकील साजिद ने किया।

वर्ल्ड टेबल टेनिस डे समारोह में वरिष्ठ खिलाड़ियों तरुण राठौड़, अजीत बेनर्जी, डॉ. ऋतु दुबे, राजशेखर शर्मा, डॉ. अविनाश इंगले एवं एसए अली को सम्मान पत्र के साथ श्रीफल शॉल देकर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया। उपस्थित सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दुखद घटना को दृष्टिगत रखते हुए समारोह को सादगीपूर्ण ढंग से संपन्न किया गया। समारोह में अरविंद कुमार शर्मा, विमल नायर, पंकज शुक्ला, प्रणय मजुमदार, ईरा पंत, रेणुका सुब्बा, दिव्या आमदे, श्रद्धा वर्मा, अरुण बावरिया, हरीश पांडे, सुरेश सादीजा, एसव्ही पेंढारकर,विजय वैसवाड़े, विनोद पटेरिया, जेएम राठौड़, राकेश यादव, प्रिया चावड़ा, मो शफाक और एस वत्स, सहित संघ के अनेक पदाधिकारीगण, खिलाड़ीगण एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

रग्बी चैम्पियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ की टीम गुवाहाटी रवाना

रायपुर। रग्बी इण्डिया द्वारा सीनियर नेशनल रग्बी सेवेंस चैम्पियनशिप का आयोजन इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम गुवाहाटी, असम में 27 और 28 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन की पुरूष वर्ग की टीम भाग लेनें रवाना हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ कैबिनेट मंत्री और छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष केदार कश्यप ने टीम को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

टीम में शामिल खिलाड़ियों में पुरूष वर्ग के खिलाडी ओम प्रकाश यादव, अनुज कुमार, हरि ओम (कोरबा), ऋत्विक श्रीवासत्व, मोहन तिवारी (कप्तान), जोन्टी एक्का (बिलासपुर), विजय कुमार, खेम सिंह (जगदलपुर), लिसांसु साहू, ओमकार निषाद (महासमुंद), जी.अविनाश, आफताब अली (रायपुर) कोच लोक सिंह दीवान और मैनेजर योगेश पटेल शामिल है।

जिला स्तरीय अंडर-9 और 13 शतरंज आज से

रायपुर। रायपुर जिला शतरंज संघ और चेस शाला के संयुक्त तत्वाधान में आयु वर्ग 9 और 13 वर्ष तक के बालक बालिकाओ की शतरंज चयन स्पर्धा का आयोजन 26 और 27 अप्रैल को रायपुर स्थित रिवर डेल वर्ल्ड स्कूल में किया जा रहा। उक्त स्पर्धा में केवल जिले के खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। स्पर्धा में प्रत्येक आयु वर्ग के चयनित 2- 2 खिलाड़ी (2 बालक व 2 बालिका) का चयन आगामी राज्य स्तरीय चयन स्पर्धा जो की बेमेतरा में आयोजित है के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक फीडे इंस्ट्रक्टर रोहित यादव है तथा मुख्य निर्णायक सीनियर नेशनल ऑर्बिटर अनूप झा रहेंगे। सहयोगी हेमा नागेश्वर व प्राची यादव होंगे। स्पर्धा के लिए आयु वर्ग 9 में 1 जनवरी 2016 या उसके बाद जन्म लेने वाले खिलाड़ी भाग ले सकते है। आयु वर्ग 13 में 1 जनवरी 2012 या उसके बाद जन्म लेने वाले खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता की जानकारी हेतु अनूप झा व रोहित यादव से संपर्क किया जा सकता है।

गड़बड़ जीवनशैली और लगातार बैठे रहने की आदत के कारण बढ़ जाता है हाथ और पैरों में दर्द

हाथ-पैर में दर्द से छुटकारा पाने योगासन का रोजमर्रा अभ्यास आपको दिलाएगा राहत

गलत लाइफस्टाइल और खान पान में पोषण की कमी के कारण लोग कई तरह की शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हो जाते हैं। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में काम के चक्कर में लोगों को इधर-उधर भाग दौड़ करनी होती है। व्यस्त शेड्यूल की वजह से शरीर को आराम न मिल पाने पर व्यक्ति के पैरों पर दबाव पड़ता है और पैरों में दर्द की समस्या हो जाती है। गड़बड़ जीवनशैली और लगातार बैठे रहने की आदत के कारण हाथ और पैरों में दर्द बढ़ जाता है। लोग इस शारीरिक दर्द को दूर करने के लिए और हाथ पैर को आराम दिलाने के लिए मालिश करते हैं। मालिश से दर्द में त्वरित आराम तो मिल जाता है लेकिन दर्द लगातार लंबे समय तक बना रहता है। इसलिए शरीर दर्द से निजात के लिए स्थाई इलाज के तौर पर योग फायदेमंद है। योग विशेषज्ञ के मुताबिक, नियमित योगाभ्यास से हाथ पैर में दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देते हैं और हल्का महसूस कराने में मदद करते हैं। आगे की स्लाइड्स में जानिए हाथ पैर के दर्द से छुटकारा दिलाने वाले योगासन के बारे में।

उत्तानासन

उत्तानासन योगाभ्यास से पैरों के दर्द और जकड़न की समस्या से निजात मिलता है। ये आसन कमर और रीढ़ के लिए भी फायदेमंद होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को सीधा रखें और आगे की ओर झुक कर पैरों के पिछले हिस्से को छूने की कोशिश करें।

बालासन

बालासन को चाइल्ड पोज कहा जाता है। इस आसन के नियमित योगाभ्यास से पैरों के दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। चाइल्ड पोज को करने के लिए जमीन पर वज्रासन अवस्था में बैठ जाएं। अब सांस अंदर लेते हुए अपने दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर उठा लें। फिर सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। हथेलियों और सिर को जमीन पर टिकाते हुए लंबी सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें। अब अपनो दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें और सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रख लें। थोड़ी देर इसी अवस्था में रहें और फिर पुरानी स्थिति में आ जाएं।

सेतुबंधासन

इस आसन को ब्रिज पोज योग भी कहते हैं। सेतुबंधासन पैरों और कमर दर्द से छुटकारा दिलाने में लाभदायक माना जाता है। इस आसन को करने से पैरों की मांसपेशियों में रक्त का संचार बढ़ता है। जिससे पैरों में होने वाला दर्द ठीक होने लगता है। सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब पैरों को कंधे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को मोड़ लें। हथेलियों को खोले और हाथ बिल्कुल सीधा जमीन पर सटा लें। सांस लेते हुए कमर के हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और कंधे व सिर को सपाट जमीन पर टिका कर रखें। बाद में सांस छोड़ते हुए पुरानी स्थिति में आ जाएं।

भुजंगासन

पैरों और शरीर दर्द से राहत दिलाने के लिए भुजंगासन लाभदायक है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों पैरों के बीच कम दूरी रखें और गहरी सांस लेते हुए कमर के ऊपरी भाग को ऊपर की तरफ उठाएं। इस दौरान कोहनी सीधी रखें और पैरों को मोड़ते समय ज्यादा खिंचाव न लाएं।

फ्राइड फूड को क्रिस्पी बनाने के लिए अपनाएं छोटे-छोटे टिप्स

अक्सर ऐसा होता है कि हम अपने रोजमर्रा की दाल-रोटी व सब्जी से अलग कुछ टेस्टी व डिलिशियस खाना चाहते हैं। ऐसे में अक्सर हमारा मन फ्राइड फूड खाने का करता है। क्रिस्पी-क्रिस्पी फ्राइड फूड की बात ही कुछ और होती है। वह आपको एक अलग कंफर्ट का अहसास करवाते हैं।

करें कोटिंग

फ्राइड फूड को एक्स्ट्रा क्रिस्पी बनाने का एक आसान तरीका होता है कि आप अपने खाने पर लाइट और क्रिस्पी कोटिंग करें। इसके लिए आप कॉर्नस्टार्च या ब्रेडक्रंब आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, इस कोटिंग से फूड और तेल के बीच में एक बैरियर बनता है। कोटिंग करने से फ्राइड फूड अंदर से सॉफ्ट रहता है, जबकि बाहर से यह एकदम क्रिस्पी हो जाता है।

तेल का तापमान

फ्राइड फूड को हम गर्म तेल से में तलते हैं, लेकिन वह एकदम सही तरह से पक जाए और साथ ही साथ क्रिस्पी भी बने, इसके लिए जरूरी है कि आप पहले तेल के तापमान का भी ख्याल रखें। यदि तेल पर्याप्त गर्म नहीं होगा तो भोजन बहुत अधिक तेल सोख लेगा और वह क्रिस्पी होने की जगह ऑयली व सॉगी महसूस होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि तेल सही तापमान पर पहुंचे, आप डीप-फ्राई थर्मामीटर का उपयोग कर सकते हैं।

एक साथ सारा खाना न तलें

कई बार हम जल्दबाजी में खाना बनाते हैं और ऐसे में पैन में एक साथ बहुत अधिक फूड डालकर

उसे फ्राई करते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे आपका फूड कभी भी क्रिस्पी नहीं बन सकता। सबसे पहले तो बहुत अधिक फूड डालने से वह एकसमान रूप से पक नहीं पाता है। साथ ही साथ, इससे तेल का तापमान भी कम हो जाता है, जिससे आपका खाना सॉगी व ऑयली बनता है।

करें डबल फ्राई

यह एक छोटा सा टिप है, लेकिन आपके बेहद काम आ सकता है। अगर आप सच में अपने फूड को ज्यादा क्रिस्पी बनाना चाहते हैं तो उसे दो बार तलें। पहले खाने को तलने के बाद उसे तेल से हटा दें और कुछ देर के लिए रेस्ट करने दें। इसके बाद आपको जब भी अपना फूड खाना हो तो तेल का तापमान थोड़ा अधिक रखें और फिर अपने फूड को फ्राई करें। डबल फ्राई करने से आपका खाना बाहर से बेहद ही क्रिस्पी और टेस्टी महसूस होता है।

लड्डू गोपाल को न करें ऐसी तुलसी अर्पित

यह तो हम सभी को पता है कि लड्डू गोपाल यानी भगवान श्री कृष्ण को तुलसी पत्र कितना प्रिय है। ऐसे में क्या आपको पता है कि लड्डू गोपाल को तुलसी पत्र चढ़ाने का सही नियम क्या है। इसके बारे में बहुत से लोगों को नहीं पता है। अनजाने में लोग लड्डू गोपाल को तुलसी पत्र अर्पित करते वक्त इन गलतियों को जरूर दोहराते हैं, जिससे उन्हें पूजा का पूरा फल नहीं मिल पाता है।

बहुत से लोग लड्डू गोपाल को तुलसी के पत्र टुकड़ों में तोड़ कर अर्पित करते हैं। बता दें कि लड्डू गोपाल को साबुत तुलसी पत्र अर्पित की जाती है। इसलिए कभी भी लड्डू गोपाल को तुलसी पत्र अर्पित करते वक्त उसे टुकड़ों में न तोड़ें। हमेशा तुलसी के ताजे पत्ते तोड़कर उसे लड्डू गोपाल के मस्तक पर चिपकाएं। लड्डू गोपाल को कभी भी बासी तुलसी के पत्र अर्पित न करें। लड्डू गोपाल (लड्डू गोपालपूजा विधि) को बासी तुलसी सिर्फ एकादशी और रविवार के अवसर पर ही आप लड्डू गोपाल को एक दिन पहले तोड़े हुए तुलसी के मंजरी और पत्र अर्पित करें। लड्डू गोपाल को कभी भी सूखी तुलसी या तुलसी को सुखाकर उसे चुरा बनाकर अर्पित न करें। बहुत से लोग तुलसी को सुखाकर रखते हैं और उसे अर्पित करते हैं। बता दें ऐसी तुलसी लड्डू गोपाल को नहीं चढ़ाना चाहिए। लड्डू गोपाल को हमेशा साफ और ताजी तुलसी के पत्ते अर्पित करें। लड्डू गोपाल को चढाई जाने वाली तुलसी कटे फटे न हो। अक्सर तुलसी के पौधे में कीड़े लग जाते हैं, जो पत्तों में छेद कर देते हैं, ऐसी तुलसी भी लड्डू गोपाल को अर्पित न करें। लड्डू गोपाल को चढ़ाने के लिए तुलसी के पत्र रविवार और एकादशी (एकादशीव्रत कथा) के दिन नहीं तोड़ना चाहिए इसलिए आप शनिवार और दशमी तिथि के दिन तुलसी पत्र तोड़कर रखें और दूसरे दिन अर्पित करें।

प्यार और आकर्षण में कैसे करें अंतर संकेतों से जानें प्यार हैं या कुछ और

कई बार लड़का या लड़की एक दूसरे को देखकर पसंद करने लगते हैं। जिन्हें वो पसंद करते हैं, उन्हें जानना, दोस्ती करना चाहते हैं। कुछ मामलों में तो दोस्त इतना अधिक एक दूसरे को पसन्द करते हैं कि अपनी भावना को वह प्यार समझने लगते हैं।

दोस्ती को प्यार समझने की गलतफहमी अक्सर ही लोगों को हो जाती है, वहीं कई बार तो प्यार को महज दोस्ती का नाम देकर लोग कदम आगे नहीं बढ़ा पाते। दोनों ही मामलों में रिश्ता बिगड़ सकता है । आकर्षण को प्यार समझने की गलती करके आप प्रेम प्रस्ताव तो दे देते हैं लेकिन बाद में जब आपको महसूस होता है कि ये महज आकर्षण था, तब तक आप एक रिश्ते में आ चुके होते हैं और इससे निकलना थोड़ा मुश्किल हो सकता है । वक्त के साथ आकर्षण और लगाव खत्म हो जाता है। फिर रिश्ते को तोड़ने की नौबत आ जाती है। रिश्ते में आने से पहले या पार्टनर से प्यार का इजहार करने से पहले अपनी सही भावना का पता लगा लें, कुछ संकेतों से जान सकते हैं कि दोस्त से प्यार है या महज आकर्षण ।

पहली नजर में प्यार

कई बार लोग पहली बार किसी को देखते हैं और उसे पसंद करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि यह पहली नजर का प्यार है। इसे लव एट फर्स्ट साइट कहते हैं। हालांकि

अधिकतर मामलों में यह मिथ्या है। पहली नजर में प्यार नहीं सिर्फ आप सामने वाले के प्रति आकर्षित होते हैं। उनका आकर्षण उनके लुक्स तक सीमित होता है। भविष्य में उनके लुक्स में बदलाव होने पर प्यार खत्म हो जाता है। प्यार के लिए पार्टनर के व्यवहार, व्यक्तित्व के बारे में पता होना चाहिए।

प्यार में परवाह

जब आप किसी से आकर्षित होते हैं तो उन्हें अपनी भावनाएं बताना चाहते हैं। उनके सामने खुद को साबित करना चाहते हैं। आप पार्टनर की परवाह करते हैं, ये दिखाते या जताते हैं। लेकिन जब आपको किसी से प्यार होता है तो आप उसकी परवाह असल में करते हैं। आपको इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि पार्टनर आपको आपकी परवाह दिखे।

प्यार में दूरी

पार्टनर से प्यार होने पर उनसे दूरी के बाद भी प्यार बरकरार रहता है। भले ही पार्टनर आपके साथ रहना चाहते हों या नहीं लेकिन आप उनके लिए वही महसूस करते हैं जो उनके साथ होने पर महसूस करते हैं। साथी के प्रति आकर्षित होने पर आप उनके आसपास रहना चाहते हैं। आकर्षण लंबे समय तक नहीं रहता, इसलिए जब तक आपके मन में उनके लिए लगाव होता है, तब तक आप साथ रहना चाहते हैं।

कार्नर न्यूज

क्या आप भी मोबाइल से थोड़े समय के लिए भी नहीं रह पाते हैं दूर?

मोबाइल फोन पर हद से ज्यादा निर्भरता बढ़ रही तो संभलिए, कहीं आपको 'नोमोफोबिया' तो नहीं

मोबाइल फोन्स हम सभी के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। फोन कॉल्स से लेकर पेमेंट तक के लिए हम सभी मोबाइल फोन्स से जुड़े रहते हैं। पर कहीं आप मोबाइल पर इतने निर्भर तो नहीं हो गए हैं कि थोड़ी देर के लिए भी इससे दूर नहीं रह पाते हैं? मोबाइल फोन कनेक्टिविटी न होने पर एंग्जाइटी होने लगती है? अगर हां तो सावधान हो जाइए ये नोमोफोबिया नामक समस्या का संकेत हो सकता है। नोमोफोबिया को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार के रूप में जाना जाता है। नोमोफोबिया- नो मोबाइल फोन फोबिया तब होता है जब कोई व्यक्ति मोबाइल फोन कनेक्टिविटी न होने के कारण डर या चिंता का अनुभव होने लगता है। इसमें उत्तेजना होने, सांस लेने में बदलाव और अन्य लक्षण भी हो सकते हैं। नोमोफोबिया की स्थिति आपके सोचने-समझने, परिस्थितियों को डील करने के तरीके भी प्रभावित करने वाली स्थिति मानी जाती है।

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं है ये विकार?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं चिंता-तनाव के अलावा नोमोफोबिया के कारण और भी कई प्रकार की दिक्कतें होने लगती हैं जिसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। फोन से थोड़े समय की दूरी के कारण भी शरीर में कंपन, पसीना आने, घबराहट की दिक्कत होने लगती है। कुछ स्थितियों में टैकीकार्डिया- दिल के धड़कनों में अनियमितता की समस्या भी हो सकती है। नोमोफोबिया की समस्या को भी कमोबेश उसी तरह का माना जा सकता है जैसे ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर (ओसीडी) रोगियों में देखी जाती रही है।

नो मोबाइल फोन फोबिया की समस्या

मोबाइल फोन्स से जुड़े रहना हम सभी की जरूरत बन गई है लेकिन इससे कुछ समय के लिए भी दूर रहने पर भी यदि आप परेशान हो जाते हैं तो आपको सावधान हो जाने की आवश्यकता है। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में साल 2019 के एक लेख में उल्लेख किया गया कि नोमोफोबिया के पहले किसी व्यक्ति में कई संभावित मनोवैज्ञानिक स्थितियां जैसे चिंता और तनाव जैसे लक्षण हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि स्मार्टफोन्स आने के बाद से ये दिक्कत काफी बढ़ गई है?

फोबिया का कारण?

मोबाइल फोन्स से दूरी में होने वाली घबराहट-चिंता की स्थिति क्यों होती है, इसके कारणों को समझने के कई अध्ययन किए गए। साल 2020 में अध्ययनों की समीक्षा में वैज्ञानिकों की टीम ने इसके कुछ संभावित कारणों के बारे में बताया। विशेषज्ञ कहते हैं, स्मार्टफोन से संबंधित कंपल्शन इस विकार को जन्म देने वाला एक कारण हो सकता है। इसके अलावा इंटरपर्सनल सेंसटिविटी जिसमें व्यक्ति अन्य विचारों को दूसरों से साझा नहीं कर पाता है।

नोमोफोबिया के लक्षण दिखें तो क्या करें?

चूंकि नोमोफोबिया आधिकारिक तौर पर कोई मानसिक विकार नहीं है इसलिए वर्तमान में इसका कोई उपचार भी मौजूद नहीं है। हालांकि कुछ प्रकार के थेरेपी और काउंसिलिंग की मदद से फोबिया को दूर करने और लक्षणों में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

खबर संक्षेप

प्रार्थना शेड का लोकार्पण नए कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने नगर निगम महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़, राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य, पार्षद सुमन अशोक पाण्डेय, दीपक जायसवाल, जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, वार्ड पार्षद मीना ठाकुर आदि की उपस्थिति में शासकीय आरडी तिवारी स्कूल में जिला खनिज न्यास निधि से 10 लाख की लागत से नवनिर्मित प्रार्थना शेड का फीता काटकर लोकार्पण किया।

नए इंजनों में शौचालय की सुविधा अब अनिवार्य, व्यस्त रूट्स पर बनेंगे नए रनिंग रूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय रेलवे अपने लोको पायलटों की सुविधा बढ़ाने की दिशा में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब से सभी नए इंजनों में शौचालय की सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे ट्रेन संचालन के दौरान पायलटों को असुविधा का सामना न करना पड़े। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह पहल खासतौर पर महिला लोको पायलटों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जो लंबे समय से इस मूलभूत सुविधा की मांग कर रही थीं। इस नई व्यवस्था से लोको पायलटों को न केवल सुविधा मिलेगी, बल्कि उनके कार्य के दौरान स्वास्थ्य और स्वच्छता भी सुनिश्चित हो सकेगी। रेलवे प्रशासन ने इसे कर्मचारियों के हित में एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम बताया है।

महिला कर्मचारियों को सबसे अधिक फायदा, रेलवे का कर्मचारियों के हित

सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित

लोको पायलट की यात्री सेवा में उनकी अहम भूमिका रहती है। ऐसे में उनकी वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाने के लिए रेलवे की ओर से कई अहम कदम उठाए गए हैं। लोको पायलटों के सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित किया जा रहा है। जिन मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहता है, उन पर नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं। साथ ही लोको कैबिनों में पायलटों को बेहतर से बेहतर सुविधा दिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोको पायलटों के प्रतिदिन के वर्किंग आवर्स सुविधाजनक रहेंगे।

समस्या मालगाड़ी के पायलट झेलते हैं

अधिकारियों ने बताया कि लोको पायलट के पद पर महिलाओं की भी तैनाती है। ऐसे में अभी तक जरूरत पड़ने पर लोको पायलट किसी स्टेशन पर पहुंचने के बाद ट्रेन के शौचालय का उपयोग करती हैं। वहीं नियमों की बात की जाए, तो ड्यूटी समाप्त होने तक पायलट इंजन नहीं छोड़ सकते। इसके कारण अक्सर उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता था। भारतीय रेल के इस निर्णय पर स्थानीय स्तर पर लोको पायलट ने हर्ष जताया है। उनका कहना है कि अधिक दूरी तक ट्रेन संचालन में अक्सर शौचालय को लेकर समस्या होती है। सबसे अधिक समस्या मालगाड़ी के पायलटों को झेलनी पड़ती थी। इंजन में शौचालय बन जाने से लोको पायलटों को काफी हद तक राहत मिलेगी।

आतंकवाद का जताया विरोध, पुतले को जूते चप्पलों से पीटा, की निंदा

आतंक के खिलाफ फूटा गुस्सा, पाक के पीएम का मुस्लिम समाज ने जलाया पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की घटना को लेकर मुस्लिम समाज में भी भारी आक्रोश है। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को इस घटना के विरोध में मुस्लिम समाज के लोगों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के पुतले का जुलूस निकाला। इस दौरान लोगों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के पुतले पर चप्पल-जूते बरसाए और फिर आग लगाकर उसका दहन किया।

औलिया चौक से कलेक्टोरेट तक निकाला गया जुलूस

शहर सीरतुन्नबी कमेटी रायपुर, वाज कमेटी बैजनाथपारा द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ विरोध जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में समाज के लोग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला और पाकिस्तान मुर्दाबाद के पोस्टर हाथ में लेकर नारेबाजी करते हुए निकले। जुलूस औलिया चौक से निकाला गया जो मोतीबाग चौक होकर कलेक्टोरेट पहुंचा।

भारत में बसा मुस्लिम कभी आतंकवादी हो नहीं सकता-सलीम राज

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की जितनी निंदा की जाए कम है। इस हमले से भारत में बसे मुस्लिम समाज के लोग भी बदनाम हो रहे थे।

घटना पर जताया आक्रोश, दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

बैंक ऑफ इंडिया के कर्मियों ने की आतंकी हमले की निंदा : पहलगाम हमले की कड़ी निंदा और भर्त्सना करते हुए छग के बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लाइज यूनियन ने राज्यभर के 300 सदस्यों ने गुरुवार को काला फीता और बैच लगाकर विरोध प्रकट किया।

दिवंगत पर्यटकों के लिए अंतिम अरदास, श्रद्धांजलि सभा कल: आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लेते हुए पंडरी स्थित श्री गुरुसिंघ सभा गोबिंद नगर, छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा अंतिम अरदास एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 27 अप्रैल को शाम 4 बजे गुरुद्वारा गोबिंद नगर पुराना बस स्टैंड के सामने रखा गया है।

मनपुरी मंडल ने दी श्रद्धांजलि: मनपुरी मंडल रायपुर ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान एवं आतंकवाद का पुतला दहन किया। विकास मिश्रा ने बताया कि मृतकों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की।

धनगर समाज ने की निंदा: हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए धनगर समाज ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है। समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी अभिमन्यु धनगर ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आतंकियों की कायरतापूर्ण हरकत से सभी आक्रोशित हैं।

मित्रगण समिति बिरगांव ने जताया शोक: रायपुर। पहलगाम में हाल ही में आतंकवादियों द्वारा की गई कायरतापूर्ण घटना में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए चाय मित्रगण समिति बिरगांव के सदस्यों ने श्रीराम चौक पर एकत्र होकर मोमबत्ती जलाकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने 'जयश्री राम' और 'भारत माता की जय' आदि नारे लगाते हुए आतंकवाद के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया।

व्यापम ने 24 घंटे बढ़ाई बीएड व नर्सिंग प्रवेश परीक्षा की आवेदन तिथि, कहा- सर्वर में तकनीकी खराबी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा बीएड-डीएलएड और नर्सिंग पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं की आवेदन तिथि में वृद्धि की गई है। हालांकि यह वृद्धि अधिक ना होकर सिर्फ 24 घंटे के लिए ही है। पूर्व में इन प्रवेश परीक्षाओं के लिए 25 अप्रैल तक आवेदन मांगा गया था, लेकिन अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे। व्यापम ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि शुक्रवार दोपहर से व्यापम के सर्वर में आई तकनीकी खराबी के कारण छात्र आवेदन नहीं कर सके। इसे देखते हुए आवेदन तिथि में एक दिन की वृद्धि की गई है।

बीएड व डीएलएड प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन 22 मई को किया जाएगा। बीएससी नर्सिंग के लिए प्रवेश परीक्षा 29 मई तथा पोस्ट बेसिक व एमएससी नर्सिंग के लिए प्रवेश परीक्षाएं 5 जून को आयोजित होगी। इन सभी के लिए आवेदन प्रक्रिया 28 मार्च से प्रारंभ हुई थी। फिलहाल व्यापम द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रवेश परीक्षाओं के आवेदन निशुल्क रूप से ही भरे जा रहे हैं।

25 अप्रैल तक मांगे गए थे आवेदन, अब 26 तक फॉर्म भर सकेंगे विद्यार्थी

हेल्पलाइन में आई थी शिकायतें

अंतिम दिन होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र व्यापम की वेबसाइट खोलकर बैठे थे। इसके कारण व्यापम की वेबसाइट क्रैश हो गई। इसके बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने व्यापम की हेल्पलाइन में शिकायतें की थीं। व्यापम द्वारा जांच किए जाने पर सर्वर में तकनीकी खराबी सामने आई। इसके बाद व्यापम ने देर शाम अधिसूचना जारी की तिथि में वृद्धि की। गौरतलब है कि प्रवेश परीक्षाओं के समय लाखों की संख्या में छात्रों द्वारा आवेदन किए जाने के कारण वेबसाइट क्रैश होने अथवा नहीं खुलने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसे देखते हुए व्यापम ने पैलरल वेबसाइट शुरू की थी, लेकिन इससे भी राहत नहीं मिल सकी।

पिछली बार मिले थे रिकॉर्ड आवेदन

बीएड और डीएलएड प्रवेश परीक्षाओं के पिछली बार व्यापम को रिकॉर्ड आवेदन मिले थे। प्री बीएड के लिए 2 लाख 56 हजार 649 आवेदन मिले थे। इसी तरह डीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए 3 लाख 5 हजार 629 आवेदन प्राप्त हुए थे। यह पहली बार था जब शिक्षा संबंधित पाठ्यक्रम के लिए आवेदन संख्या 5 लाख के पार पहुंची थी। इसके अतिरिक्त न्यायालय के आदेश पश्चात बीएड की तुलना में डीएलएड पाठ्यक्रम में छात्र अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं।

नकली सोना गिरवी रखकर बैंक से लोन, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्माल फाइनेंस बैंक में सोने की 10 चूड़ी गिरवी रख कर 10 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी करने के आरोप में देवेंद्र नगर थाने की पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक उत्तरप्रदेश का रहने वाला है। एक वर्ष पूर्व जालसाज ने स्माल फाइनेंस बैंक में सेविंग अकाउंट खुलवाकर ठगी की थी।

- स्माल फाइनेंस बैंक में सेविंग अकाउंट खोलकर 10 लाख की ठगी

देवेंद्र नगर ब्रांच के ईएसएएफ स्माल फाइनेंस बैंक मैनेजर पूजा झा की शिकायत पर पुलिस ने ठगी के आरोप में गंज निवासी अनिल होतवानी, विक्की बाधवानी तथा उत्तरप्रदेश, आगरा निवासी गौरव वर्मा को गिरफ्तार किया है।

पूजा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बैंक में अनिल ने 18 अप्रैल 2024 को अकाउंट खुलवाया। इसके बाद अनिल ने 25 अप्रैल को गोल्ड लोन लेने 10 सोने की चूड़ी जमा कर लोन हासिल किया। गिरवी रखे गए सोने की चूड़ी का इंटर्नल ऑडिट करने पर नकली होना पाया गया।

थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने अनिल को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने अपने साथी के साथ मिलकर आगरा के कारोबारी से साठ-गांठ कर बैंक में नकली सोने की चूड़ी जमा कर बैंक को चूना लगाने का अपराध स्वीकार किया।

बिजनेस साइट

एसआरयू में संकाय विकास कार्यक्रम शैक्षणिक नवाचार और छात्र जुड़ाव पर चर्चा

रायपुर। शैक्षणिक गुणवत्ता और संकाय सशक्तिकरण के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी (एसआरयू) ने हाल ही में एक प्रभावशाली संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय 'छात्र जुड़ाव बनाए रखने और शैक्षणिक प्रथाओं को निरंतर विकसित करने में निपुणता बढ़ाना' था। इस अवसर पर एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. दिनेश सेठ ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

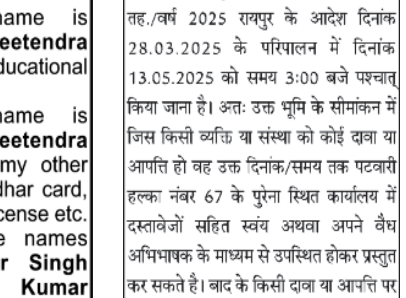

प्रो. सेठ के व्याख्यान का विषय रहा 'अकादमिक जगत की पुनर्कल्पनाः उद्देश्य, प्रगति, संभावनाएं और मार्ग', जिसमें उन्होंने संस्थागत प्रतिष्ठा में अनुसंधान की भूमिका, सामाजिक नेटवर्क और अनुकूली शिक्षण संरचनाओं जैसी उन्नत अवधारणाओं की चर्चा की।

इस अवसर पर एसआरयू के कार्यकारी कुलपति प्रो. आरआरएल बिराली, प्रो-चांसलर एसएस बजाज और रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने पृथ्वी दिवस पर लॉन्च की नई ईएसजी नीति

रायपुर। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा ने पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर पर एक नई पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत बैंक ने वर्ष 2057 तक नेट जीरो उत्सर्जन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही 2034 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में 75% की कटौती करने का भी लक्ष्य रखा गया है। बैंक के एमडी और सीईओ देवदत्त चांद ने कहा कि यह पहल हमारी स्थायित्वपूर्ण वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईएसजी नीति और नेट जीरो की प्रतिबद्धता से यह स्पष्ट होता है कि हम पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक भलाई और सुशासन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य ईएसजी सिद्धांतों को बैंक के हर स्तर पर लागू करना है।

NAME CHANGE

I **Jeetendra Kumar Singh**, age 41 years, father Shri **Dudhnath Prasad**, resident of A00205 Road No. 05 Sector-03 Professor Colony, Raipur, Tehsil and District Raipur, Chhattisgarh, swear the following statements -

1. That my name, father's name and address are true and correct as mentioned above.
2. That my name is mentioned as **Jeetendra Kumar** in all my educational documents.
3. That my name is mentioned as **Jeetendra Kumar Singh** in my other documents like Aadhar card, passbook, driving license etc.
4. That both the names **Jeetendra Kumar Singh** and **Jeetendra Kumar** belong to one person i.e. my own.

Affidavit
Seal **Jeetendra Kumar Singh**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11 टिकरापारा, तहसील व जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 25.04.2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका चंद्रप्रभा पिता बुलाकीलाल, निवासी पुरेना रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम पुरेना प.ह.नं.-67 राजस्व निरीक्षक, मंडल रायपुर-11 (टिकरापारा) स्थित भूमि खसरा नंबर 247/1 रकबा 0.6880 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र./वाचक/अति, तह./वर्ष 2025 रायपुर के आदेश दिनांक 28.03.2025 के परिपालन में दिनांक 13.05.2025 को समय 3:00 बजे पश्चात् किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरेना स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वंय अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11 (टिकरापारा)

HEALTH TOWN
अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभात टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

Education Time
MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"EDUCATION MAKES FUTURE BETTER"
ADMISSION OPEN
SPECIAL DISCOUNT ON ADMISSION FEES
NURSERY TO 12TH
(Biology, Maths, Commerce)
Register Now at www.mesraipur.com
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.)
Contact : 0771-4000123, 93296-21221
HIGHLIGHT
Strong Academic Foundation & Personalized Attention
• Spoken English & Personality Development
• Safe & Reliable Transport with Surveillance
• Weekly Activity-Based Learning & Skill Development
• Monthly Seminars & Interactive Discussions
• Scholarships for Meritorious Students (90% & Above from Other Schools)

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio Arts)
Activity-Based Learning for Pre-Primary
• Creative Classrooms & Play-Based Education
• Sports, Arts & Music for Holistic Growth
• Safe & Nurturing Environment
• Interactive Events & Competitions
• Safe & Reliable Transport with Surveillance
ADMISSION OPEN
NURSERY TO 12TH
SPECIAL DISCOUNT ON ADMISSION FEES
Register Now at www.rpsraipur.com
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur (C.G.) Mo : 95890-85558, 93296-21221, Email : rpsraipur123@gmail.com
Contact to Add Your School - 79871-19756

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस | पुराना गद्दा लाये, नया ले जाये
चादरे 9x9 400 से 1000 तक | कम्बल रजाई | सोफा कमबेड | सोफा कव्हर | टावेल | रजाई-गद्दा कव्हर
कम्फर्ट दोहड़ | प्रोटेक्टर | रुई गद्दा | तकिया
संजय रुई भंडार
निराकारी फर्नीचर के पीछे, कांच घर गोडाऊन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

दुकान एक कुलर अनेक
कूलर हाउस
आकाश जैन - 98261-64650,
रत्न जैन - 98271-29211
सिटी कोटवाली, नगर निगम के पास, गांधी चौक, रायपुर
Manga COMMERCIAL COOLER
हॉल, वर्कशॉप गोडाऊन, लॉन, मैरिज हॉल, किराया भंडार के लिये

RAHUL SYNTHETICS
PREMIUM UNIFORMS
UNIFORM RANGE
School, Staff, Hostels, Corporates, Hospitals, Nursing Homes
Housekeeping, Field Staff, Workers, Workshops
All types of uniform, School, College & Security C.G. & Odisha
Shop No. 5, Mahalaxmi Cloth Market, Pandri, Raipur (C.G.)
Vinod Ahuja 9425513156 Rahul Ahuja 7879917006

खबर संक्षेप

ठेके पर नहीं देंगे राजस्व वसूली, कर्मचारी ही वसूलेंगे

रायपुर। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि राजस्व विभाग नगर निगम का आधार स्तंभ है, इसलिए राजस्व विभाग के कर्मचारियों को केवल राजस्व वसूली एवं उससे संबंधित कार्यों में ही लगाया जाना उचित होगा। महापौर ने प्रतिवर्ष प्रत्येक संपत्ति करदाता को डिमांड बिल आवश्यक रूप से दिया जाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। महापौर ने नगर निगम रायपुर की गैर मूल्यांकित संपत्तियों का डोर टू डोर सर्वे कर उचित आकलन किए जाने का सुझाव नगर निगम हित में दिया, ताकि असेसमेंट कवरेज को 90 प्रतिशत से शत प्रतिशत के मध्य लाया जा सके। महापौर ने समय समय पर राजस्व से जुड़े सभी राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षकों, राजस्व उप निरीक्षक एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों को ट्रेनिंग दिया जाना सुनिश्चित किए जाने निर्देश दिए हैं। नगर निगम रायपुर कर्मचारी एकता संघ के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों ने नगर निगम रायपुर में राजस्व वसूली का कार्य ठेका एजेंसी से न कराए जाने के निर्णय से प्रसन्न होकर महापौर श्रीमती चौबे के कक्ष में पहुंचकर बुके प्रदत्त आभार जताया।

डॉ. सहाय को टाइम्स लीडर्स ऑफ हेल्थकेयर अवार्ड

रायपुर। राजधानी रायपुर के फिजिशियन एवं समाजसेवी प्रो. डॉ. अजय सहाय को हेल्थकेयर के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए टाइम्स लीडर्स ऑफ हेल्थकेयर अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना रहे। इस अवसर पर मेजर जनरल (रिटायर्ड) जीडी बक्शी, टाइम्स की सीनियर एडिटर दीपाल गाला, एमएसएन फार्मा के प्रेसिडेंट आशीष गुप्ता, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर भरत रेड्डी सहित देश के विख्यात चिकित्सा विशेषज्ञ एवं नागरिक उपस्थित थे। डॉ. सहाय ने विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं, ज्वलंत सामाजिक मुद्दों और सामाजिक कुरीतियों के प्रति आम जनता को जागरूक बनाने के लिए अनेक रोचक लघु फिल्मों, प्रोमोज, वृतचित्रों और जिंगल्स का निर्माण किया है जो दूरदर्शन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक चैनलों द्वारा नियमित रूप से प्रसारित किए जाते रहे हैं।

निधन

विप्लव शर्मा

रायपुर। ग्राम बलरामपुर-बिरोडा (फिंगेश्वर) निवासी विप्लव शर्मा (44) का 24 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे चंद्रशेखर एवं स्व. रत्ना के पुत्र, सीमा शर्मा के पति, आर्या व आयुष के पिता थे।

आतंकी हमले में मृत कारोबारी दिनेश के घर पहुंची एनआईए की टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जम्मू कश्मीर, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कारोबारी दिनेश मिरानिया की पत्नी, उनके बेटे तथा बेटी से घटना की जानकारी लेने शुक्रवार को एनआईए की टीम पहुंची। मृतक कारोबारी की पत्नी तथा उनके बच्चों से पूछताछ करने एनआईए की स्थानीय टीम पहुंची है या फिर दिल्ली से कोई टीम आई है, यह अब तक स्पष्ट नहीं हुआ है। मृतक के रिश्तेदार अमर बंसल के अनुसार तीन से चार की संख्या में एनआईए के अफसर दिनेश के घर पूछताछ करने के लिए पहुंचे थे।

एनआईए के अफसरों ने मृतक की पत्नी तथा उनके बच्चों से घटना को लेकर विस्तार पूर्वक जानकारी लेने के साथ घटना के समय वे क्या कर रहे थे, किस स्थिति में थे, इस संबंध में विस्तृत जानकारी हासिल की। इसके अलावा जिस आतंकी ने कारोबारी पर फायरिंग की, उसके हुलिया उसके पहनावा के साथ उसकी बातचीत करने के तरीके के बारे में जानकारी हासिल की।

राहत तथा मदद के बारे में जानकारी

एनआईए के अफसरों ने कारोबारी की पत्नी तथा उनके बच्चों से घटना होने के कितने समय बाद उन्हें मदद मिली, इस संबंध में भी पूछताछ की। इसके साथ ही घटना होने के तत्काल बाद मौके पर उपस्थित किन लोगों ने उनकी मदद की, एनआईए के अफसरों ने मृतक की पत्नी और बच्चों से पूछताछ की।

■ चार घंटे से ज्यादा समय तक पत्नी और बच्चों से ली घटना की जानकारी

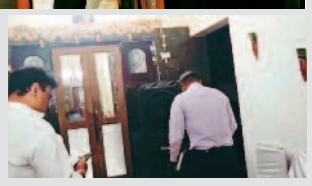

पत्नी और बच्चों ने दी घटना की जानकारी

परिजनों से जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक परिजनों की उपस्थिति में एनआईए की टीम ने मृतक के परिजनों से पूछताछ की। घटना के समय मृतक की पत्नी और बच्चे किन परिस्थितियों में थे, उनकी जानकारी एनआईए के अफसरों को दी। एनआईए के अफसरों ने मृतक की पत्नी और उनके बच्चों से जहां घटना हुई, वहां कैसे पहुंचे और कौन खच्चर वाला उन्हें ऊपर लेकर गया, इस संबंध में भी पूछताछ की।

रूट के बारे में जानकारी

घटना के पूर्व कारोबारी ने जिस रूट से ऊपर चढ़ाई की थी, उस रूट पर उन्हें किस तरह के लोग मिले, एनआईए के अफसरों ने कारोबारी की पत्नी तथा बच्चों से बारीकी से पूछताछ की। पूछताछ में पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद एनआईए के अफसर कारोबारी के घर से लौटे। परिजनों के अनुसार एनआईए के अफसर पूछताछ में पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद कारोबारी के घर से लौटे। मृतक के परिजनों ने एनआईए की टीम को पूछताछ में पूरी तरह से सहयोग किया। पूछताछ करने एनआईए का एक डीएसपी रैंक का अफसर शामिल था।

राजधानी सहित जिले के कई ग्रामीण इलाकों में ताबड़तोड़ कार्रवाई

अवैध निर्माण तोड़े, कहीं फ्लैक्स-पोस्टर हटाए कई स्थानों पर अवैध प्लाटिंग पर भी लगाई रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम सहित जिले के कई ग्रामों में शुक्रवार को अवैध निर्माण, अवैध रूप से लगाए गए फ्लैक्स-पोस्टर तथा अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इसमें कई कार्रवाई सुशासन तिहार में लोगों की आई शिकायतों की जांच के बाद की गई है।

सुशासन तिहार में ज्यादातर शिकायतें ग्रामीण क्षेत्रों की है, जिसमें सबसे ज्यादा अवैध प्लाटिंग की शिकायतें मिली हैं, वहीं रायपुर शहर में अवैध निर्माण एवं अवैध रूप से लगाए गए फ्लैक्स व पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई की गई।

स्वीकृति से ज्यादा चौड़ी सड़क तोड़ी गई

जोन-4 अंतर्गत स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड 44 के तहत बांके बिहारी मंदिर के सामने रवि गोवानी एवं नीलम गोवानी द्वारा लगभग 3316 वर्गफीट भूखंड क्षेत्र में व्यवसायिक अनुमति के विपरीत सड़क को ज्यादा चौड़ा बना लिया गया था, जिसे तोड़ने की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार संत रविदास वार्ड 70 के तहत डुमर तालाब से सरोना जाने वाले मुख्य मार्ग के पास आशीष इसरानी द्वारा लगभग 3000 वर्गफीट भूखंड क्षेत्र में व्यवसायिक अनुमति के विपरीत निर्माण किया गया था। निगम की टीम ने उसे भी तोड़ने की कार्रवाई की। इसी जोन क्षेत्र अंतर्गत महोबा बाजार से एम्स होते हुए टाटीबंध मुख्य मार्ग में लगभग 12 ठेलों और गुमटियों को हटाने की कार्रवाई की गई।

पठारीडीह में 3 एकड़ अवैध प्लॉटिंग का काटा रास्ता

धरसीवा ब्लॉक के ग्राम पठारीडीह के निवासियों ने सुशासन तिहार के माध्यम से इलाके में अवैध प्लॉटिंग की शिकायत की थी। उनके आवेदन पर एक्शन लेते हुए राजस्व टीम ने इसकी जांच करते हुए 3 एकड़ जमीन पर किए जा रहे अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर रास्ता काटते हुए इस कार्य पर रोक लगाई। इसी प्रकार आरंग ब्लॉक के ग्राम कोरासी में ग्रामवासियों ने अतिक्रमण के संबंध में शिकायत की थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए भूमि को कब्जा मुक्त कराया। आरंग के ही ग्राम चपरौद में भी अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए कार्य पर रोक लगाई गई।

भाठागांव मार्ग पर अवैध व्यावसायिक निर्माण तोड़ा

टीम प्रहरी ने भाठागांव मार्ग में भी अवैध व्यावसायिक निर्माण को तोड़ा। इसी प्रकार जोन-8 क्षेत्र में भारत माता चौक के पास अवैध व्यावसायिक दुकानों को तोड़ा गया, जोन 6 अंतर्गत सिद्धार्थ चौक टिकरापारा से पुलिस लाइन तक बैनर-पोस्टर व फ्लैक्स निकालने की कार्रवाई की। अमलीडीह केनाल लिंकिंग रोड पर अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की गई। खम्हारडीह चौ पर स्वीकृति के विपरीत व्यवसायिक निर्माण को तोड़ा गया। रिंग रोड नंबर 1 में अवैध निर्माण को तोड़ा गया। जोन 7 अंतर्गत संत रामदास वार्ड-25 में लगभग 1300 वर्गफीट में बने अवैध भवन-दुकानों को तोड़ा गया। जोन 10 अंतर्गत डूमरतराई सब्जी मंडी मार्ग में कमल विहार गेट के सामने से वर्धमान नगर चौक तक अभियान चलाकर 35 ठेलों, 27 गुमटियों एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

महादेवघाट की सीढ़ियों पर कब्जा नगर-निगम ने हटाए सभी पाटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के महादेव घाट पर बनी सीढ़ियों पर कुछ लोगों ने लड़की के पाटे लगाकर कब्जा कर रखा था। इसकी शिकायत मिलने पर नगर निगम की टीम ने शुक्रवार को पुलिस बल की मौजूदगी में इन पाटों को हटाकर जब्ती बनाने की कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि करणी सेना संगठन के लोगों ने पूजा-पाठ और धर्म के नाम पर घाट की सीढ़ियों पर पाटे लगा रखे थे, जिसका नदी में नाव चलाने वाले लोगों ने विरोध किया था। इस विरोध के बाद भी करणी सेना के लोग पाटे हटा नहीं रहे थे। निगम ने कार्रवाई करते हुए इन सभी पाटो को हटाकर जब्ती बनाया है।

गंगा आरती के नाम पर घाट पर कब्जा

महादेव घाट पर हर शाम करणी सेना के लोग गंगा की आरती करते थे। यह पहले सीढ़ियों पर ही किया करते थे, लेकिन बाद में सेना के लोगों ने आरती करने के लिए सीढ़ियों पर ही पाटे लगा दिए। घाट पर हर दिन शाम को ही घूमने वालों की भीड़ लगती है। इसमें कई लोग नाव की सैर करने भी पहुंचते हैं। पाटों के लगने के कारण सबसे ज्यादा दिक्कत नाव चलाने वालों को होने लगी। नदी के किनारे सीढ़ियों पर लगे पाटों के कारण नाव को भी तट से लगा नहीं पाते थे, जिसके कारण लोगों को भी नाव में बैठने में परेशानी होती है। इस परेशानी के कारण नाव चलाने वालों ने पहले करणी सेना के लोगों से मांग की थी कि गंगा आरती के बाद वे पाटों को वहां से हटा दें, ताकि उन्हें भी परेशानी नहीं हो। इसके बाद भी करणी सेना ने पाटे हटाए नहीं, जिसके बाद इसकी शिकायत जोन कार्यालय में की गई। निगम ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए पाटों को हटाते हुए जब्ती बनाया है।

पेज 11 के शेष ...

बच्चो! इंतजार कीजिए, किताबें...

आईपी एड्रेस एक नहीं होना चाहिए। आईपी एड्रेस एक संख्यात्मक लेबल होता है जो इंटरनेट या स्थानीय नेटवर्क पर हर डिवाइस को सौंपा जाता है। प्राप्त सभी 11 आवेदन एक ही आईपी एड्रेस से भरे आने के कारण इसे रद्द करते हुए दोबारा टेंडर निकाला गया है।

एससीईआरटी भेज चुका...

रद्दी में बेचे जाने का मामला सामने आया था। जांच के बाद इस बार पापुनि द्वारा किताब छपाई सिस्टम में कई बदलाव किए गए हैं ताकि गड़बड़ी रोकी जा सके। इसमें किताबों की ट्रैकिंग किया जाना भी शामिल है।

आतंकी गोलीबारी, जमीन पर...

अपने पति अरविंद अग्रवाल, बच्चों तथा अन्य लोगों के साथ पहलगाम में थी। आतंकी जब गोली चला रहे थे, तो स्थानीय लोगों की मदद से किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आईं। आज परिवार सहित वापसी के दौरान रायपुर आने पर पूजा ने दाहिने कंधे में दर्द की जानकारी दी, तो स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की सलाह पर आंबेडकर अस्पताल लाकर अस्थि रोग विभाग में उनकी जांच कराई गयी। डॉक्टरों के अनुसार पूजा अग्रवाल के दाहिने कंधे में चोट आई है। अस्पताल पहुंचते ही उनके दाहिने कंधे एवं रीढ़ का एक्स-रे करवाया गया। अस्थि रोग विभाग में डॉ. प्रणय श्रीवास्तव ने बताया कि मरीज के दाहिने कंधे में थोड़ा फ्रैक्चर है, जिसके कारण उन्हें दर्द हो रहा है। चूंकि गोलीबारी के दौरान जान बचाने के लिए उन्हें जमीन पर लेटना पड़ा, शायद उसी दौरान उन्हें चोट आई होगी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि मरीज को सभी आवश्यक दवाएं दे दी गई हैं और फॉलोअप में आने को कहा गया है। आतंकी हमले के बाद पूरा परिवार सहमा हुआ था, इसीलिए डॉक्टरों ने काउंसिलिंग की। अग्रवाल परिवार के रायपुर पहुंचने की जानकारी होने पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उनके पति से चर्चा कर कुशलक्षेम पूछा।

अधिसूचना से पहले...

से ही निकला है। भारतमाला प्रोजेक्ट का नक्शा एनएचएआई के अफसरों ने ही तैयार कराया था। रायपुर जिले में जिस तरह से इस प्रोजेक्ट के लिए अधिसूचना का प्रकाशन से पहले प्रभावित किसानों के नाम की जमीनों को कई टुकड़ों में बांटकर परिवार के सभी सदस्यों के नाम पर चढ़ाकर कई गुना मुआवजा दिलाया गया है, इससे यह स्पष्ट है कि इस प्रोजेक्ट का नक्शा अधिसूचना प्रकाशन के पहले ही एनएचएआई कार्यालय से लीक हो गया था और रायपुर जिले के अफसरों तक पहुंच गया था, जिसका फायदा उठाकर अफसरों ने किसानों के साथ साठगांठ कर इस घोटाला को अंजाम दिया है।

विधानसभा में उठ चुकी...

से इस घोटाला की जांच कराने की मांग की है। विधानसभा में उठे इस मामले में राज्य सरकार ने ईओडब्ल्यू-एसीबी से जांच की घोषणा की है, जिसके बाद इसकी जांच भी की जा रही है, लेकिन ईओडब्ल्यू इस मामले में राज्य सरकार के अधीन शासकीय कार्यालयों में जांच कर पाएगी, वहीं घोटाला के छींटे अगर एनएचएआई से उड़े हैं, तो इसकी जांच राष्ट्रीय स्तर की एजेंसी से ही कराना होगा। डा. महंत जिस तरह से बार-बार इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, उससे यह भी आशंका जताई जा सकती है कि कहीं न कहीं इस घोटाला के तार एनएचएआई से भी जुड़े हुए हैं।

12वीं के नतीजों के...

अब 10 मई तक आवेदन किए जा सकेंगे। फिलहाल केवल सीबीएस के लिए अधिसूचना जारी की गई है। सूत्रों के अनुसार, अन्य विषयों में आवेदन की तारीखें भी बढ़ाई जा सकती हैं। प्रवेश की अन्य तिथियों में कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया है। प्रवेश परीक्षा के फॉर्म पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.prsu.ac.in/ www.prsuuniv.in** पर जाकर भरे जा सकते हैं तथा पाठ्यक्रम, प्रवेश-प्रक्रिया आदि की विस्तृत जानकारी को देखा जा सकता है। छात्रों के लिए रविवि द्वारा हेल्प डेस्क भी बनाया गया है। किसी तरह की दिक्कत होने पर छात्र रविवि से संपर्क भी कर सकते हैं।

सर्वाधिक 700 आवेदन सीबीएस के लिए : रविवि अध्ययनशाला के मूल विज्ञान केंद्र (सीबीएस) में संचालित हो रहे पंचवर्षीय एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम की मांग छात्रों में सर्वाधिक होती है। अब तक सबसे अधिक आवेदन उक्त पाठ्यक्रम के लिए ही प्राप्त हुए हैं। 60 सीटों के लिए रविवि को 700 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। रविवि अध्ययनशाला में इंटीग्रेटेड एमएससी की 60 सीटों में से 40 स्कालरशिप सीट है, जबकि 20 पेमेंट सीट है। इसमें 40 स्कालरशिप सीटों में प्रवेश प्राप्त सभी छात्रों को 5000 रुपए प्रतिमाह स्कालरशिप का प्रावधान है। पूर्णतः आवासीय होने के कारण दूसरे राज्यों के छात्र भी इस पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करते हैं।

भाषा विज्ञान में...

से जूझ रहे हैं। रविवि द्वारा प्रवेश परीक्षाओं के लिए शुल्क लेने की घोषणा बीते दिनों की गई थी। इसका भी असर आवेदन संख्या पर नजर आ रहा है।

गर्मी के मामले में...

पिछले चार-पांच दिनों से ग्रीष्मलहर की स्थिति बनी हुई है। राजधानी रायपुर तापमान के मामले में रिकार्ड बना रहा है और तीन दिन पहले पड़ी गर्मी ने अपना दस साल के रिकार्ड को तोड़ दिया है। सूरज का पारा सुबह 11 बजे के बाद से अपना तेवर दिखाना शुरू करता है और दोपहर 1 बजे के बाद धूप में जलन महसूस होने लगी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दोपहर 1 से 3 बजे तक की धूप खतरनाक है और इसके ज्यादा संपर्क में रहने त्वचा झुलसने की आशंका भी बनी हुई है। रायपुर में अप्रैल के महीने में घोषित तौर पर तो ग्रीष्मलहर नहीं चली है,1 मगर अघोषित रूप से यहां पिछले पांच दिन से लू जैसे हालात बने हुए हैं। आने वाले दिनों में हवा की दिशा में बदलाव होने से बादल, आंधी तथा हल्की बारिश की संभावना बन सकती है, मगर इससे तेज गर्मी से बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में दिखे बाघ की पुष्टि होने के बाद सुरक्षा बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बाघ के लिए तरस रहे उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में ढाई साल बाद बाघ देखे जाने की पुष्टि होने के बाद वन अफसर बाघ की सुरक्षा में जुट गए हैं। जिस स्थान पर बाघ के पग मार्क मिले हैं, उस स्थान के आसपास बाघ का मल खोजने का काम वन कर्मियों की टीम कर रही है। मल का डीएनए टेस्ट कराकर बाघ के बारे में वन अफसर विस्तृत जानकारी हासिल करना चाहते हैं।

कुल्हाड़ीघाट परिक्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की जानकारी वन अफसरों को स्थानीय ग्रामीणों के माध्यम से मिली। इसके बाद वन विभाग की पोचिंग तथा पेट्रोलिंग टीम बताए गए जगह पर पहुंचकर बाघ के पग मार्क तलाश की। जहां पग मार्क मिले थे, उसकी कुछ दूरी पर बाघ के द्वारा दो मवेशियों के शिकार किए जाने के साक्ष्य मिले। इसके बाद यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरूण जैन बाघ की सुरक्षा सुनिश्चित करने एंटी पोचिंग टीम के साथ पेट्रोलिंग टीम को दिन के साथ रात के समय गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जहां बाघ के जिन स्थानों में मूवमेंट होने की संभावना है उन स्थानों में ट्रैप कैमरा लगाने की व्यवस्था की गई है। शुक्रवार को वन कर्मियों की टीम पूरे दिन बाघ की निगरानी करने जंगल में पेट्रोलिंग करती रही।

■ पग मार्क के साथ दो मवेशियों का शिकार किए जाने से बाघ होने की पुष्टि

ग्रामीण क्षेत्रों में कराई गई मुनादी

वर्तमान में ग्रामीणों द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण का काम किया जा रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए बाघ तथा इंसानों के साथ किसी तरह से कोई अनहोनी न हो, इसके लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में बाघ की उपस्थिति को लेकर मुनादी कराई गई है। यूएसटीआर में आखिरी बार बाघ की उपस्थिति अक्टूबर 2022 में दर्ज की गयी थी, जब कैमरा ट्रैप में फोटो कैद हुई थी एवं दिसम्बर 2022 में अंतिम बार बाघ का मल सैंपल एकत्रित किया गया था। इसके बाद जनवरी 2023 में बाघ की अंतिम बार उपस्थिति की जानकारी मिली थी।

जगदलपुर के रास्ते उदंती पहुंचने की संभावना

पिछले दिनों जगदलपुर में एक बाघ के मूवमेंट की जानकारी मिली थी। जगदलपुर में मूवमेंट कर रहे बाघ के महाराष्ट्र, गढ़चिरौली से आने की संभावना वन अफसर व्यक्त कर रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए वन अफसरों ने संभावना व्यक्त की है कि जगदलपुर में मूवमेंट कर रहा बाघ विचरण करते हुए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में पहुंचा होगा।

पॉवर लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग चयन प्रतियोगिता कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और छग पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में ताम्रकार प्लेटिनम फिटनेस जिम लाखेनगर चौक पुरानी बस्ती में पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के साथ बॉडी बिल्डिंग चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

बॉडी बिल्डिंग एसो. छग के महासचिव मानिक ताम्रकार और पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन छग के महासचिव प्रदीप क्षत्रिय ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित युवाओं का आगामी 2 से 4 मई को आगरा में नेशनल पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में शामिल होने छग की टीम का चयन किया जाएगा, साथ ही बॉडी बिल्डिंग चयन प्रतियोगिता में 17 से 18 मई को गाजियाबाद की मि. इंडिया नेशनल बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

27 अप्रैल की प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि दुर्गेश साहू प्रोटीन विला के डायरेक्टर होंगे, विशेष अतिथि पाटन के नवनिर्वाचित सरपंच श्रवण सिंह ठाकुर, रूपेश रहांगडाले होंगे।

आवश्यकता है
रात्रिकालिन अखबार की गिनती पैकिंग एवं बंडल लोडिंग के लिये युवकों की आवश्यकता है।
आधार कार्ड, बैंक पासबुक होना अनिवार्य है।
12वीं से स्नातक तक
उम्र 21 से 30 वर्ष तक
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, रायपुर
संपर्क - 9827555678

23 मई, 06 जून, 25 जुलाइ,14 अगस्त, 11 सितम्बर, 03 अक्टूबर 2025 (8 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप, काठमांडू दरबार), पशुपतिनाथ, जनकपुर (सीता मैया का जन्म स्थान), सीतामढ़ी, बनारस (काशी विश्वनाथ मंदिर)
राशि:-स्लीपर 9,500/-, 3 एसी 16,500/-, 2 एसी 22,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411

7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री भेंट द्वारिका, सोमनाथ, नागेश्वर, ओमकालेश्वर, महाकालेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर, ममलेश्वर, रूखमणि मंदिर, गोपी तालाब, त्र्यम्बकेश्वर, शिरडी साईं बाबा, शनि सिंघ्नापुर, नाशिक,
यात्रा दिनांक
04 जून 2025
26 जुलाई 2025
13 अगस्त 2025
10 सितंबर 2025
11 दिन की यात्रा
राशि: स्लीपर- 18,501/-, 3AC-28,501/-
स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
91111-11866, 82757-57579
Head Office : सिटी सेंटर मॉल ग्राउण्ड फ्लोर पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)